नवसर्जन संस्कृति

RNI No. GJHIN/25/A2786
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

अहमदाबाद से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 09
दि. 09.10.2025,
गुरुवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : JIGNESHKUMAR PETHABHAI VAGHELA Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

जुबीन गर्ग मौत केस में बड़ा खुलासा: डीएसपी संदीपन गर्ग गिरफ्तार, जांच ने खोले नए राज़

गुवाहाटी। असम के मशहूर गायक जुबीन गर्ग की मौत का मामला अब गहराता जा रहा है। इस रहस्यमय केस में बुधवार को उनके चचेरे भाई और असम पुलिस के डीएसपी संदीपन गर्ग को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उन्हें गैर इरादतन हत्या, आपराधिक साजिश और लापरवाही से मौत जैसी गंभीर धाराओं में नामजद किया है। अदालत ने उन्हें 7 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा है, जबकि पुलिस ने 14 दिन की रिमांड मांगी थी।

यह गिरफ्तारी उस वक्त हुई जब कई बार पूछताछ के बाद जांच एजेंसियों को संदीपन के बयानों में विरोधाभास नज़र आया। सीआईडी के विशेष पुलिस महानिदेशक मुन्ना प्रसाद गुप्ता ने बताया कि गिरफ्तारी के बाद विभागीय जांच भी शुरू की गई है, जिसमें यह पता लगाया जा रहा है कि क्या संदीपन ने सिंगापुर यात्रा के लिए सरकारी अनुमति ली थी या नहीं। बताया जा रहा है कि गिरफ्तारी के बाद अब उन्हें सस्पेंड किए जाने की भी तैयारी चल रही है।

जुबीन गर्ग 19 सितंबर को सिंगापुर में समुद्र में तैरते समय रहस्यमय परिस्थितियों में डूब गए थे। उस समय नौका में उनके साथ संदीपन गर्ग भी मौजूद थे। शुरुआत में इसे एक दुर्घटना माना गया, लेकिन घटनास्थल से मिले साक्ष्य और बयानों में विरोधाभास ने इस केस को हत्या या साजिश की दिशा में मोड़ दिया।

अब तक इस मामले में पाँच लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इनमें नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल के आयोजक श्यामकानु महंत, जुबीन के मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा और उनके बैंड के दो सदस्य — शेखर ज्योति गोस्वामी और अमृतप्रभा महंत शामिल हैं। सीआईडी ने अब तक इस केस से जुड़ी 60 से अधिक एफआईआर दर्ज की हैं, और एक विशेष जांच दल (SIT) लगातार साक्ष्यों की पड़ताल कर रहा है।

इसी बीच, जांच के दायरे में असम एसोसिएशन सिंगापुर से जुड़े 11 अनिवासी भारतीयों (NRI) को भी लाया गया है। पुलिस ने बताया कि इन 11 में से केवल एक व्यक्ति रूपकमल कालिता ने ही सीआईडी कार्यालय में पेश होकर बयान दर्ज कराया, जिनसे 24 घंटे से अधिक पूछताछ की गई है। बाकी 10 लोगों को अब नए सिरे से समन जारी किए जाएंगे। अधिकारियों ने कहा है कि यदि वे समय पर उपस्थित नहीं हुए, तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जांच में एक और चौंकाने वाला पहलू तब सामने आया जब सीआईडी ने जुबीन गर्ग के दो निजी सुरक्षा अधिकारियों — नंदेश्वर बोरा और प्रबीन बैश्य — के बैंक खातों में 1.1 करोड़ रुपये से अधिक के संदिग्ध लेनदेन का खुलासा किया। दोनों के खातों में पाए गए पैसों की मात्रा उनकी आधिकारिक आय से कई गुना अधिक है। इसके बाद दोनों को निलंबित कर विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

यह भी सामने आया है कि ये दोनों पीएसओ जुबीन गर्ग की सुरक्षा में पिछले एक दशक से तैनात थे, जब उन्हें प्रतिबंधित संगठन उल्फा (ULFA) की ओर से जान से मारने की धमकी मिली थी। सीआईडी का कहना है कि जांच अभी शुरुआती चरण में है और कई नए पहलू सामने आ रहे हैं। यह केस अब न केवल असम बल्कि पूरे देश में चर्चा का विषय बन गया है। लाखों प्रशंसक इस उम्मीद में हैं कि उनके प्रिय गायक की मौत का सच आखिरकार सामने आए और दोषियों को सख्त सज़ा मिले।

फ्रॉड केस में शिल्पा शेट्टी-राज कुंद्रा पर हाई कोर्ट का सख्त फैसला: विदेश जाने से पहले 60 करोड़ जमा करना अनिवार्य

मुंबई, बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति बिज़नेसमैन राज कुंद्रा को बॉम्बे हाई कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। अदालत ने स्पष्ट किया कि यदि दंपति विदेश यात्रा करना चाहते हैं तो उन्हें पहले 60 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी की राशि जमा करनी होगी। इस मामले की अगली सुनवाई 14 अक्टूबर को होगी। पीठ में मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखड़ ने दंपति की याचिका पर सुनवाई करते हुए उनके खिलाफ जारी लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) को रद्द करने और विदेश यात्रा की अनुमति देने का अनुरोध खारिज कर दिया।

याचिकाकर्ताओं के वकील ने अदालत को बताया कि शिल्पा शेट्टी 21 से 24 अक्टूबर तक लॉस एंजेल्स में यूट्यूब द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रही हैं। अदालत ने इस दलील की सत्यता की जांच के लिए सभी आवश्यक विवरण पेश करने को कहा। अदालत ने यह भी माना कि जांच में सहयोग के कारण दंपति को अब तक गिरफ्तार नहीं किया गया, लेकिन शिकायतकर्ता ने राज कुंद्रा की ब्रिटिश-भारतीय राष्ट्रीयता का हवाला देते हुए उनकी भागने की संभावना बताई।

मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने शिल्पा शेट्टी से उनके घर पर चार घंटे तक पूछताछ की थी। शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा के खिलाफ 60 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी का मामला दर्ज है, जिसकी जांच ईओडब्ल्यू कर रही है। अदालत ने स्पष्ट किया कि पूरी राशि जमा किए बिना उनके विदेश यात्रा के अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

इस आदेश ने दंपति की योजनाओं पर गंभीर प्रभाव डाला है और यह स्पष्ट किया कि अदालत इस मामले में बेहद सख्त रुख अपनाए हुए है। अब 14 अक्टूबर को अगली सुनवाई में यह तय होगा कि राशि जमा करने की प्रक्रिया के बाद दंपति को विदेश यात्रा की अनुमति मिलेगी या नहीं। इस फैसले ने दर्शाया कि न्यायिक प्रणाली ने इस वित्तीय धोखाधड़ी मामले में किसी भी तरह की ढील नहीं बरती है और मामले में कार्रवाई सुनिश्चित करने का संदेश साफ तौर पर दिया गया है।

अब जोहो मेल का इस्तेमाल करेंगे अमित शाह, स्वदेशी तकनीक को दिया बढ़ावा

नई दिल्ली। आत्मनिर्भर भारत के मंत्र को नई दिशा देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को घोषणा की कि वह अब अपने आधिकारिक कार्यों के लिए स्वदेशी ईमेल सेवा "जोहो मेल" का उपयोग करेंगे। यह कदम न केवल डिजिटल संप्रभुता की दिशा में एक बड़ा संदेश है, बल्कि स्वदेशी तकनीक को प्रोत्साहन देने की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

अमित शाह ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर अपने आधिकारिक अकाउंट से एक संदेश जारी कर बताया कि उन्होंने अपना ईमेल पता बदल दिया है। उन्होंने लिखा — "अब मैं जोहो मेल पर उपलब्ध रहूंगा। कृपया मेरे ईमेल पते में हुए बदलाव पर ध्यान दें।" शाह ने अपना नया ईमेल पता amitshah.bjp@zohomail.in साझा करते हुए लोगों से अनुरोध किया कि भविष्य में सभी आधिकारिक पत्राचार इसी नए पते पर भेजें।

जानकारों का मानना है कि यह निर्णय "डिजिटल आत्मनिर्भरता" की दिशा में भारत सरकार के उस संकल्प को और मजबूत करेगा, जिसके तहत देश में विदेशी सॉफ्टवेयर और ईमेल सेवाओं

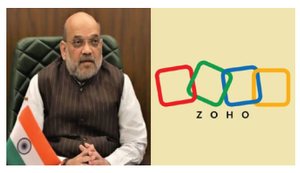

पर निर्भरता कम करने की कोशिश की जा रही है। जोहो, चेन्नई स्थित एक भारतीय टेक्नोलॉजी कंपनी है, जिसने विश्वस्तर पर अपनी पहचान बनाई है। इसका उपयोग न केवल भारत में, बल्कि 180 से अधिक देशों में लाखों लोग कर रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार, गृह मंत्रालय ने भी पिछले कुछ महीनों से स्वदेशी तकनीक आधारित डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को अपनाने की दिशा में कदम तेज किए हैं। मंत्रालय के अधिकारियों और कर्मचारियों को भी जोहो मेल जैसी सुरक्षित भारतीय ईमेल सेवाओं पर स्थानांतरित करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है, ताकि सरकारी संचार अधिक सुरक्षित और गोपनीय रह सके। टेक विशेषज्ञों का कहना है कि यह फैसला साइबर सुरक्षा के लिहाज से भी अहम है। जोहो मेल भारत में निर्मित और प्रबंधित सर्वर पर चलता है, जिससे डेटा का नियंत्रण पूरी तरह देश के भीतर रहता है। इससे सरकारी सूचनाओं की सुरक्षा और गोपनीयता सुनिश्चित होती है।

अमित शाह द्वारा स्वदेशी प्लेटफॉर्म को प्राथमिकता देने का यह कदम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की "मेक इन इंडिया" और "वोकल फॉर लोकल" नीति का प्रत्यक्ष उदाहरण माना जा रहा है। इससे न केवल भारतीय तकनीकी कंपनियों का मनोबल बढ़ेगा, बल्कि देश के नागरिकों में भी स्वदेशी डिजिटल सेवाओं के प्रति विश्वास और अपनापन बढ़ेगा।

सरकारी सूत्रों का कहना है कि आने वाले समय में अन्य मंत्रालय भी इसी दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं, ताकि सरकारी ईमेल संचार पूरी तरह स्वदेशी तकनीक पर आधारित हो सके।

इस घोषणा के बाद सोशल मीडिया पर भी अमित शाह की सराहना हो रही है। उपयोगकर्ताओं ने इसे "डिजिटल स्वराज" की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताते हुए लिखा — "जब देश के गृहमंत्री स्वदेशी तकनीक पर भरोसा दिखाते हैं, तो पूरा राष्ट्र आत्मनिर्भरता के पथ पर और दृढ़ता से बढ़ता है।"

पंजाबी गायक राजवीर जवंदा का निधन, सड़क हादसे के 11 दिन बाद बुझा उभरता सितारा

चंडीगढ़। पंजाबी संगीत जगत से बुधवार को एक दर्दनाक खबर आई — मशहूर गायक और अभिनेता राजवीर जवंदा का निधन हो गया। 27 सितंबर को हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले में हुए सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए राजवीर ने मोहाली के फोर्टिस अस्पताल में 11 दिन तक जीवन-मृत्यु से जंग लड़ने के बाद दम तोड़ दिया। डॉक्टरों ने सुबह 10 बजकर 55 मिनट पर उन्हें मृत घोषित किया।

अस्पताल प्रशासन ने बयान जारी करते हुए बताया कि न्यूरोसर्जरी और क्रिटिकल केयर टीम की निरंतर निगरानी और तमाम प्रयासों के बावजूद राजवीर के कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया था। डॉक्टरों के अनुसार, उनके सिर और रीढ़ की हड्डी में गहरी चोटें आई थीं और इलाज के दौरान उन्हें हृदयाघात भी हुआ था।

राजवीर जवंदा, जो सिर्फ 35 वर्ष के थे, पंजाबी मनोरंजन जगत में तेजी से लोकप्रिय हो रहे थे। उनके प्रशंसक न केवल पंजाब बल्कि विदेशों तक फैले हुए थे। उनकी आवाज में लोक-संगीत की मिठास और आधुनिक पॉप की ऊर्जा का अनोखा संगम था।

लुधियाना जिले के जगराओं तहसील के पोना गांव से ताल्लुक रखने वाले राजवीर ने अपने करियर की शुरुआत 2014 में गाने "मुंडा

लाइक मी" से की थी। हालांकि उन्हें पहचान 2016 में आए उनके हिट गीत "काली जवंदे दी" से मिली। यह गाना युवाओं के बीच इतना लोकप्रिय हुआ कि उन्हें "फोक-पॉप" जॉनर का उभरता सितारा कहा जाने लगा।

राजवीर केवल गायक ही नहीं, बल्कि एक सफल अभिनेता भी थे। उन्होंने गिप्पी ग्रेवाल अभिनीत "सूबेदार जोगिंदर सिंह" (2018), "जिंद जान" (2019) और "मिंदो तसीलदारनी" (2019) जैसी फिल्मों में यादगार भूमिकाएँ निभाईं। उनकी सरलता, सादगी और पंजाबी संस्कृति से गहरा जुड़ाव उनके हर किरदार में झलकता था।

राजवीर जवंदा के निधन की खबर सुनते ही पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखा — "पंजाबी संगीत जगत का यह सितारा हमेशा के लिए ओझल हो गया। कम उम्र में अपने गानों से लोगों के दिलों पर राज करने वाले राजवीर जवंदा की आवाज हमेशा गूंजती रहेगी।" इसी तरह पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, गुरप्रीत घुग्गी, गुग्गू गिल, दर्शन औलख और कई अन्य कलाकारों ने भी सोशल मीडिया पर अपनी श्रद्धांजलि दी। पूरे पंजाब में उनके प्रशंसकों के बीच गहरा शोक व्याप्त है। संगीत जगत के जानकारों का कहना है कि राजवीर ने बहुत कम समय में अपनी अलग पहचान बनाई थी। वह पारंपरिक पंजाबी सुरों को आधुनिक संगीत में ढालने का हुनर रखते थे। उनके गीतों में गांव की मिट्टी, लोक-संस्कृति और युवाओं की धड़कन एक साथ महसूस होती थी। राजवीर जवंदा के असमय निधन ने पंजाबी संगीत और सिनेमा जगत को गहरा आघात पहुंचाया है। उनके परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों के लिए यह एक अपूरणीय क्षति है। संगीतप्रेमियों का कहना है कि भले ही राजवीर अब हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके गीत और उनकी आवाज आने वाले कई वर्षों तक लोगों के दिलों में जिंदा रहेंगे।

बाढ़ प्रभावित विद्यार्थियों के लिए राहत: परीक्षा शुल्क माफ, शैक्षणिक सामग्री में मदद का निर्देश

मुंबई, राज्य के उच्च व तकनीकी शिक्षा विभाग ने बाढ़ प्रभावित इलाकों के विद्यार्थियों के लिए एक राहतकारी निर्णय लिया है। विभाग ने परीक्षा शुल्क माफ करने का फैसला किया है ताकि बाढ़ के कारण बच्चों की शिक्षा प्रभावित न हो। यह निर्णय उच्च व तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटील की अध्यक्षता में बुधवार को हुई बैठक में लिया गया। बैठक में विद्यार्थियों की शैक्षणिक परेशानियों और आर्थिक तंगी को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय सुनिश्चित किया गया। मंत्री पाटील ने कहा कि बाढ़ के कारण कई परिवारों के घरों में विद्यार्थियों की किताबें, नोटबुक और अन्य शैक्षणिक सामग्री बह गई है। ऐसे में परीक्षा शुल्क माफी विद्यार्थियों के लिए राहत का एक महत्वपूर्ण साधन बनेगी। उन्होंने महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों और निजी शिक्षण संस्थानों से अपील की कि वे सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए बाढ़ प्रभावित छात्रों की मदद करें। अधिकारियों ने यह भी निर्देश दिया कि संस्थान विद्यार्थियों को आवश्यक शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराएं। इससे न केवल आर्थिक बोझ कम होगा, बल्कि विद्यार्थियों की शिक्षा भी निर्बाध रूप से जारी रहेगी। मंत्री पाटील ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्राकृतिक आपदा के कारण बच्चों की पढ़ाई में कोई बाधा न आए और उन्हें उनके शैक्षणिक लक्ष्य हासिल करने में कोई कठिनाई न हो। यह निर्णय बाढ़ प्रभावित परिवारों के लिए उम्मीद और राहत की किरण लेकर आया है। इससे न केवल विद्यार्थियों के वित्तीय बोझ में कमी होगी, बल्कि उनके शैक्षणिक जीवन को भी समर्थन मिलेगा, ताकि वे अपने भविष्य की तैयारी निरंतर कर सकें।

गुजरात में विकास सप्ताह की शुरुआत, सीएम भूपेंद्र पटेल बोले — मोदी युग का 25वां वर्ष 'सुशासन' का स्वर्ण अध्याय

गांधीनगर। गुजरात में मंगलवार को विकास सप्ताह का भव्य शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद में आयोजित विकास प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर जिस "विकास की राजनीति" का सूत्रपात किया था, वह आज सुशासन के 25वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा केवल राज्य की नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत बन चुकी है।

सीएम पटेल ने कहा कि मोदी जी के विजन और नेतृत्व ने न केवल गुजरात को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई, बल्कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र से भारत को आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की इसी भावना के प्रति आभार प्रकट करने के लिए राज्य के नागरिकों, सहकारी संस्थाओं, बैंकों, दूध मंडलियों और सामाजिक संगठनों ने मिलकर "आत्मनिर्भर भारत, जन आभार" अभियान के तहत प्रधानमंत्री मोदी को 1 करोड़ 11 लाख 75 हजार पोस्टकार्ड भेजे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर वर्ष विकास सप्ताह मनाने का उद्देश्य गुजरात के निरंतर प्रगति मार्ग को सशक्त बनाना और नई पीढ़ी को 'विकास' के मूल मंत्र से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष यह सप्ताह विशेष महत्व रखता है, क्योंकि यह अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के साथ मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री

द्वारा दिए गए "हर घर स्वदेशी" और "वोकल फॉर लोकल" के संदेश को साकार करने का यही उपयुक्त अवसर है।

सीएम ने अपने संबोधन में कहा कि गरीब, युवा, अन्नदाता और नारीशक्ति — यानी 'ज्ञान' के चार स्तंभों पर आधारित यह विकास सप्ताह समाज के हर वर्ग की सहभागिता से "विकसित भारत@2047" की दिशा में नए विचारों को जन्म देगा। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी और सरदार पटेल ने स्वदेशी के माध्यम से स्वतंत्रता आंदोलन को सशक्त बनाया था, अब वही भाव आत्मनिर्भर भारत के माध्यम से समृद्ध भारत की नींव बनेगा। स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने कहा कि जैसे महात्मा गांधी ने कम संसाधनों में स्वदेशी आंदोलन शुरू किया था, वैसे ही आज प्रधानमंत्री मोदी ने उसी विचार को आधुनिक भारत की आर्थिक नीति में रूपांतरित किया है। उन्होंने कहा कि यह स्वदेशी मंत्र देश के व्यापार घाटे को कम कर आर्थिक समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्होंने जनता से अपील की कि वे आने वाले त्योहारों में स्वदेशी वस्तुओं को प्राथमिकता दें, जिससे देश की अर्थव्यवस्था सशक्त हो।

सहकारिता राज्य मंत्री और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा ने कहा कि मोदी जी ने 24 वर्ष पहले सेवा, समर्पण और सुशासन के साथ जो यात्रा शुरू की थी, वही अब गुजरात के हर गांव और हर नागरिक तक पहुंच चुकी है। उन्होंने बताया कि इस अनोखे "पोस्टकार्ड अभियान" में राज्य के 12 हजार गांवों की 26 हजार सहकारी मंडलियों, 5.50 लाख कॉलेज छात्रों और 1.25 लाख विद्यार्थियों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि यदि देश का प्रत्येक नागरिक स्वदेशी की ओर एक कदम बढ़ा दे, तो भारत को विकसित राष्ट्र बनने से कोई नहीं रोक सकता।

सहकारिता विभाग के सचिव संदीप कुमार ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत किया और बताया कि "भारत विकास प्रतिज्ञा" के तहत सभी ने "हर घर स्वदेशी" का संकल्प लिया है। इस अवसर पर एक विशेष ऑडियो-विजुअल फिल्म भी प्रदर्शित की गई, जिसमें गुजरात के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में हुए विकास कार्यों को दर्शाया गया।

यह भी उल्लेखनीय है कि राज्यभर में प्राप्त पोस्टकार्डों की कुल संख्या 75 लाख से अधिक हो चुकी है — जिनमें दूध संघों, डीसीसीबी, अमूल फेड, जीएससी बैंक और अन्य संस्थाओं के कार्ड शामिल हैं। इस ऐतिहासिक कार्यवाही को "वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स-लंदन" और "लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स" में दर्ज कराने के लिए आवेदन किए गए हैं।

कार्यक्रम में अहमदाबाद की महापौर प्रतिभाबेन जैन, सांसद-विधायकगण, जीएससी बैंक के अध्यक्ष जय पटेल, जीसीएमएमएफ के अध्यक्ष अशोक चौधरी, अहमदाबाद मनपा आयुक्त, चीफ पोस्ट मास्टर जनरल गणेश सावडेकर सहित सहकारी क्षेत्र, शिक्षा जगत और समाज के हजारों प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सीएम पटेल ने समापन में कहा — "मोदी जी के नेतृत्व में गुजरात की विकास यात्रा केवल राज्य की नहीं, बल्कि भारत की आत्मा का प्रतिबिंब है। हम सबको मिलकर इस 'सुशासन के अमृत काल' को विकसित भारत के स्वर्ण युग में बदलना है।"

संपादकीय

एसआईआर विवाद विपक्ष का हथियार

आखिरकार, चुनाव आयोग द्वारा बिहार विधानसभा के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। दो दशक में पहली बार इतनी कम अवधि तथा दो चरणों में मतदान छह व ग्यारह नवंबर को होगा और मतगणना चौदह नवंबर को होगी। विवादों के केंद्र में रही चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर पर विपक्ष की राजनीति राजग गठबंधन को चुनौती देगी। एक घटक, जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। जो पलायन व भ्रष्टाचार के मुद्दे को पार्टी का लक्ष्य बता रहे हैं। बहरहाल, लोकसभा चुनाव सात चरण में कराने के खट्टे अनुभवों से सबक लेकर चुनाव आयोग ने विपक्षी दलों की मांग पर विधानसभा चुनाव दो चरणों में समेटने का निर्णय लिया है। लेकिन यह तय है कि जिस तरह आनन-फानन में पर्याप्त तैयारियों की कमी के बीच एसआईआर को अंजाम दिया गया, उसको लेकर तमाम तरह के सवाल उभरते ही रहेंगे। यहां तक कि मामले में बार-बार शीर्ष अदालत को हस्तक्षेप करना पड़ा। अभी आयोग को उन लोगों की शिकायत का सामना करना पड़ेगा, जो वोटर लिस्ट में अपना नाम नहीं देख पा रहे हैं। बहरहाल, एक बात तो तय है कि दो दशक से बिहार की राजनीति के केंद्र में बने हुए नीतीश कुमार को सत्ता विरोधी लहर का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि राजग नेतृत्व को उम्मीद है कि हाल के दिनों में कराए गए विकास कार्य तथा लोकलुभावनी योजनाओं की बरसात से वोटों की फसल सींची जा सकेगी। ये आने वाला वक्त बताएगा कि बिहार का जनमानस नीतीश को फिर से गद्दी सौंपता है या फिर उत्साहित महागठबंधन को सत्ता में आने का मौका देता है। कांग्रेस व राजद का कई मतभेदों के बावजूद एकजुट रहना सुशासन बाबू के लिये मुश्किलें जरूर पैदा कर सकता है। इन चुनावों में मोदी-शाह की प्रतिष्ठा का भी मूल्यांकन होगा। नीतीश कुमार की प्रतिष्ठा भी इन चुनावों में दांव पर लगी है कि क्या वे दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ले पाएंगे।

बहरहाल, इस बार सुशासन बाबू की प्रतिष्ठा भी दांव पर है, जब विपक्ष ने भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था के सवाल को बड़ा मसला बना दिया है। जिस मुद्दे पर नीतीश अब तक राजद सरकार को जंगल राज बताकर घेरते रहे हैं, वही अस्त्र अब महागठबंधन की ओर से चलाया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर विपक्ष एसआईआर विवादों के आलोक में मतदाताओं में असमंजस की बात कह रहा है। उसकी दलील है कि अब जब चुनाव में कुछ ही हफ्ते बाकी हैं विशेष गहन पुनरीक्षण अभी भी न्यायिक जांच के दायरे में है। दरअसल, शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग से अंतिम मतदाता सूची से बाहर किए गए 3.66 लाख मतदाताओं का विवरण उपलब्ध कराने को कहा है। दरअसल, 24 जून को चुनाव आयोग द्वारा एसआईआर अभियान शुरू करने के बाद मतदाताओं की संख्या में खासा फेरबदल होता रहा है। अभियान शुरू करते वक्त बिहार में मतदाताओं की संख्या 7.9 करोड़ थी, फिर एक अगस्त को जारी मसौदा सूची में यह संख्या घटकर 7.24 करोड़ रह गई। मृत्यु,प्रवास और दोहराव सहित विभिन्न आधारों पर 65 लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए गए थे। अब अंतिम सूची में 7.42 करोड़ मतदाता हैं। मसौदा सूची में 21.53 लाख नाम जोड़े गए हैं और कुल 3.66 लाख नाम हटा दिए गए हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने राजनीतिक दलों और अन्य हितधारकों की दुविधा दूर करने के लिये चुनाव आयोग से कुछ सवालों का जवाब तुरंत देने को कहा है। निस्संदेह, न्यायालय के हस्तक्षेप के कारण, एसआईआर में कुछ हद तक पारदर्शिता देखी गई है। उल्लेखनीय है कि चुनाव आयोग को उन अवैध प्रवासियों की संख्या साझा करने की जरूरत है, जिनके नाम मतदाता सूची से हटा दिए थे। उम्मीद की जानी चाहिए कि अखिल भारतीय एसआईआर शुरू करने से पहले बिहार से सबक लेकर सामने आई कमियों को दूर करने की दिशा में चुनाव आयोग पहल करेगा। अब ये आने वाला वक्त बताएगा कि महिलाओं, दिव्यांगों व बुजुर्गों के लिये बड़े पैमाने पर की गयी घोषणाओं का कितना लाभ सुशासन बाबू को मिलता है।

साहूकारों के शिकंजे से मुक्त नहीं हुए किसान

> छोटे किसानों को जब आय की अस्थिरता, मौसमी जोखिमों और सरकार से पर्याप्त वित्तीय सहायता की कमी का सामना करना पड़ता है, तब वे मजबूरीवश ऊंची ब्याज दरों के बावजूद साहूकारों से ऋण लेने को विवश हो जाते हैं।

राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की ग्रामीण धारणा सर्वेक्षण रिपोर्ट 2025 के अनुसार, ग्रामीण भारत में ऋण प्रणाली में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिला है। पहली बात, अब 54.5 प्रतिशत ग्रामीण परिवार केवल औपचारिक स्रोतों—क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, सहकारी समितियां, सूक्ष्म वित्त संस्थान से ऋण ले रहे हैं, जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। इससे ग्रामीण आर्थिक शोषण से बच रहे हैं क्योंकि इन ऋणों पर ब्याज दरें नियंत्रित होती हैं। दूसरी ओर, अभी भी 22 प्रतिशत परिवार अनौपचारिक स्रोतों—साहूकार, दोस्त, परिवार—पर निर्भर हैं, जहां ब्याज दरें 17-18 प्रतिशत से अधिक हैं। इसके अतिरिक्त, 23.5 प्रतिशत ग्रामीण परिवार दोनों प्रकार के स्रोतों से ऋण ले रहे हैं, जिससे उनकी वित्तीय स्थिति जटिल हो जाती है।

दरअसल, गांवों में किसानों को औपचारिक ऋण से जोड़ने के मद्देनजर सरकार द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), कृषि इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड, सहकारी समितियों और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूह, ग्रामीण बैंकिंग व्यवस्था आदि प्रभावी भूमिका निभा रहे हैं। इससे ग्रामीण लोगों की क्रयशक्ति में वृद्धि, डिजिटल उपयोग में वृद्धि, खपत में वृद्धि, ग्रामीणों की बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच, गांवों में लोगों के जीवन स्तर में सुधार, ग्रामीण भारत के लोगों की पूरक आय में वृद्धि जैसी सकारात्मक पृष्ठभूमि निर्मित हुई है।

वर्ष 2019 में शुरू की गई प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के

तहत अब तक 9.7 करोड़ से अधिक सीमांत किसानों को डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से 20 किस्तों में कुल 3.9 लाख करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा चुकी है, जिससे उन्हें खेती-किसानी से जुड़े खर्चों में महत्वपूर्ण राहत मिली है। वहीं पीएम स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीणों को उनकी जमीन का कानूनी हक देकर उनके आर्थिक सशक्तीकरण का नया अध्याय लिखा जा रहा है। इन सब प्रयासों से ग्रामीण लोगों की खर्च के साथ बचत बढ़ रही है।

चिंताजनक तथ्य यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों में अब भी लगभग 22 फीसदी लोग ऋण के लिए साहूकारों और अन्य अनौपचारिक स्रोतों पर निर्भर हैं। विशेष रूप से छोटे किसानों को जब आय की अस्थिरता, मौसमी जोखिमों और सरकार से पर्याप्त वित्तीय सहायता की कमी का सामना करना पड़ता है, तब वे मजबूरीवश ऊंची ब्याज दरों के बावजूद साहूकारों से ऋण लेने को विवश हो जाते हैं। कई बार सामाजिक और जनसांख्यिकीय कारक भी साहूकारों से ऋण लेने के मद्देनजर असर डालते हैं। वैसे छोटे किसान औपचारिक स्रोतों से ऋण लेना तो चाहते हैं, लेकिन कई बार दस्तावेज़ की कमी, गारंटीदाता की कमी एवं अन्य शर्तें बाधा डालती हुई दिखाई देती हैं।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के सर्वेक्षण के अनुसार लगभग पचास प्रतिशत कृषि परिवार कर्ज में डूबे हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक किसानों को ऋण के लिए संस्थागत बैंकों के साथ-साथ गैर-संस्थागत स्रोतों जैसे साहूकारों और रिश्तेदारों पर भी निर्भर रहना पड़ता है। कई बार ये छोटे किसान भारी-भरकम ब्याज दर से ऋण चुका पाने में असमर्थ रहते हैं। ऐसे में उन्हें ब्याज के बोझ को हल्का करने के लिए फिर ऋण लेना होता है और ऐसे छोटे किसान साहूकारों के ऋण जाल में फंसते चले जाते हैं।

भारतीय रिज़र्व बैंक की 2024-25 की सालाना रिपोर्ट के अनुसार पिछले एक दशक में ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग शाखाओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। बैंक शाखाओं की संख्या मार्च 2010 के 33,378 से बढ़कर दिसंबर 2024 तक 56,579 हो गई है। इसके साथ ही सहकारी समितियों का नया विस्तार दिखाई दे रहा है। ऐसे में साहूकारों और अनौपचारिक ऋणों पर निर्भरता घटाने के लिए दूसरे कदम भी उठाने की जरूरत है। छोटे ऋणों और कम अवधि के ऋण वाली कई योजनाएं तैयार करके साहूकारों पर निर्भरता कम करनी होगी। ग्रामीण ऋण लागत कम करने और विश्वास बढ़ाने के लिए तकनीक का लाभ उठाया जाना होगा। औपचारिक ऋणों के लिए बेहतर प्रोत्साहन और डिजिटल उपकरणों से लैस बैंक प्रतिनिधियों को ग्रामीण परिवारों और संस्थानों के बीच समन्वय का माध्यम बनाया जाना होगा। इसके साथ ही, वित्त-तकनीक कंपनियों द्वारा ग्रामीण कर्ज धारकों के लिए विश्वसनीय क्रेडिट प्रोफाइल तैयार करने के लिए वैकल्पिक क्रेडिट स्कोरिंग डेटा का उपयोग किया जाना होगा।

गांवों में साहूकारों पर ऋण निर्भरता की प्रवृत्ति को रोकने के लिए ग्रामीण क्षेत्र के छोटे व्यवसायों को विश्वसनीय संस्थागत वित्तीय सेवाएं प्रदान करने हेतु लक्षित नीतिगत उपाय सुनिश्चित किए जाने होंगे। खासतौर से ग्रामीण अर्थव्यवस्था के अंतिम छोर तक मजबूत गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) की भूमिका को प्रभावी बनाना होगा। गांवों में तरलता संबंधी चिंताएं दूर करने के लिए एनबीएफसी के लिए एक मजबूत पुनर्वित्त सुविधा तत्काल सुनिश्चित करनी होगी। साथ ही, एसएआरएफएईएसआई अधिनियम के तहत प्रतिभूति हितों को लागू करने के लिए ऋण राशि की सीमा को और घटाना अत्यधिक लाभकारी कदम होगा।

सरकार ने किसानों को साहूकारों के चंगुल से बचाने के लिए जो कानून बनाए हैं, उनके पर्याप्त परिपालन पर ध्यान देना होगा। गांवों में प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना का तेजी से विस्तार करना होगा, जिससे छोटे किसानों की संस्थागत ऋण तक पहुंच बढ़ाई जा सकेगी।

प्रेरणा

मन के आरपार – मुक्ति का मार्ग

हिमालय की शांत घाटी में सूर्य की अंतिम किरणें जब स्वर्ण-सा आकाश रंग रही थीं, तब आचार्य पुनर्वसु आत्रेय अपने शिष्यों के साथ कुशासन पर विराजमान थे। वायु में वेदपाठ की गूँज थी और वातावरण में ज्ञान की गंभीरता। उन्हीं के शिष्य अग्निवेश, जिनकी जिज्ञासा अग्नि की तरह तीव्र थी, गुरु के चरणों में बैठे हुए प्रश्न करने लगे। उनके नेत्रों में गहन खोज थी, और मुख पर श्रद्धा की आभा।

अग्निवेश ने निवेदन किया, "गुरुदेव, जब मनुष्य मर जाता है तो उसकी चेतना कहाँ चली जाती है? और जब तक वह जीवित है, तब मन, इन्द्रियाँ और आत्मा का आपसी संबंध कैसे बना रहता है?"

आचार्य आत्रेय ने अपने शिष्य को स्नेहभरी दृष्टि से देखा और कहा, "वत्स, मन अपने आप में अचेतन है। यह केवल एक साधन है, एक उपकरण जिसके माध्यम से आत्मा संसार का अनुभव करती है। जैसे दीपक का पात्र स्वयं प्रकाश नहीं देता, उसी प्रकार मन में चेतना का उदय तभी होता है जब आत्मा उसमें अपनी शक्ति का संचार करती है। आत्मा ही जीवन का स्रोत है। जब तक आत्मा शरीर में निवास करती है, तब तक प्राण प्रवाहित रहते हैं, इन्द्रियाँ कार्य करती हैं, मन सोचता है, स्मृति जागती है, इच्छा और द्वेष उत्पन्न होते हैं, और सुख-दुःख का अनुभव संभव होता है। लेकिन जब आत्मा का संबंध शरीर से टूट जाता है, तब यह सब समाप्त हो जाता है। शरीर मात्र पंचमहाभूतों का ढेर बन जाता है — मिट्टी मिट्टी में, जल जल में, वायु वायु में विलीन हो जाते हैं। दीपक के बुझते ही दीपशाला अंधकारमय हो जाती है, वैसे ही आत्मा के निकलते ही शरीर निःजीव हो जाता है।"

कुछ क्षण मौन छा गया। अग्निवेश ने गंभीरता से पूछा, "गुरुदेव, यदि ईश्वर सर्वशक्तिमान है, तो फिर आत्मा को कभी पापयुक्त या नीच योनियों में क्यों जन्म लेना पड़ता है? क्या ईश्वर उसे दंड देता है?"

आत्रेय ने कहा, "वत्स, ईश्वर न्याय का साक्षी है, न कि दंड का रचयिता। आत्मा को कोई बाहर से प्रेरित नहीं करता। उसके अपने कर्म ही उसे खींचकर किसी भी योनियों में ले जाते हैं। धर्मात्मा कर्म उसे ऊर्ध्वगति देते हैं — प्रकाश की ओर, और अधर्म उसे अधोगति में गिराते हैं — अंधकार की ओर। यही आत्मा की स्वतंत्रता है। उसे कर्म करने की स्वतंत्रता दी गई है, परंतु फल भोगने का नियम उससे कोई नहीं छुड़ा सकता। यही कारण है कि ईश्वर हस्तक्षेप नहीं करता, क्योंकि वह आत्मा को स्वतंत्रता के नियम के साथ सृष्टि में भेजता है। यदि आत्मा धर्म के मार्ग पर चलती है तो वह ईश्वरीय प्रकाश के समीप पहुँचती है, और यदि वह अज्ञान और मोह में गिरती है, तो उसी के कर्म उसे नीचे खींच लेते हैं। यही जन्म-मरण का चक्र है, जो अनादि और अनंत है।"

अग्निवेश का मन और अधिक व्याकुल हो उठा। उन्होंने पूछा, "गुरुदेव, क्या इस चक्र से मुक्ति का कोई मार्ग है? क्या ऐसा कोई उपाय है जिससे आत्मा फिर कभी बंधन में न पड़े?"

आत्रेय ने गंभीर स्वर में कहा, "वत्स, मुक्ति का एक ही उपाय है — मन पर विजय। मन ही संसार का द्वार है और वही मुक्ति का भी मार्ग है। मन जब विषयों की ओर आकर्षित होता है, तब वह आत्मा को इन्द्रियों के जाल में बाँध देता है। यही बंधन का आरंभ है। परंतु जब यही मन आत्म-नियंत्रण में आता है, जब वह ईश्वर, साधना और सत्य की ओर मुड़ता है, तब वही मुक्ति का साधन बन जाता है। वशीभूत मन धर्म का पालन कराता है, साधना में स्थिर रखता है, और आत्मा को पुनर्जन्म के बंधन से मुक्त करता है। जिसने मन को वश में कर लिया, उसने जीवन के सारे रहस्य जीत लिए।"

अग्निवेश ने फिर पूछा, "गुरुदेव, यह मन तो क्षण-क्षण बदलता है, जैसे वायु की दिशा बदलती रहती है। इसे वश में करना तो असंभव सा लगता है। इसे कैसे जीता जाए?"

आत्रेय ने उत्तर दिया, "वत्स, मन को जीतना कठिन अवश्य है, पर असंभव नहीं। मन को जीतने का उपाय है — अभ्यास, संयम और वैराग्य। मन को साधने वाला व्यक्ति धीरे-धीरे अपने भीतर स्थिरता लाता है। ध्यान और प्राणायाम से वह अपनी चेतना को भीतर की ओर मोड़ता है। जैसे एक उग्र अश्व को लगाम से नियंत्रित किया जाता है, वैसे ही मन को साधना की लगाम से नियंत्रित किया जाता है। जब मन स्थिर हो जाता है, तब वह आत्मा का दर्पण बन जाता है, जिसमें सच्चा स्वरूप प्रतिबिंबित होता है। उस समय व्यक्ति जानता है कि वह शरीर नहीं, विचार नहीं, इन्द्रियाँ नहीं — बल्कि शुद्ध चेतना है, जो न जन्म लेती है, न मरती है।"

उस क्षण अग्निवेश के भीतर जैसे कोई पर्दा हट गया। उन्होंने पहली बार जाना कि मुक्ति किसी स्वर्गलोक में नहीं, बल्कि अपने भीतर ही है। जब मन शांत होता है, तो आत्मा का प्रकाश स्वयं प्रकट होता है। तब मनुष्य किसी भी कर्म के बंधन में नहीं रहता, क्योंकि उसके कर्म अब फल की इच्छा से नहीं, केवल कर्तव्य की भावना से होते हैं। यही अवस्था "जीवन्मुक्ति" की कहलाती है — जब व्यक्ति शरीर में रहते हुए भी बंधन से परे होता है।

आत्रेय ने अंत में कहा, "वत्स, मन ही मनुष्य का बंधन है और मन ही उसकी मुक्ति है। जिस दिन तुम अपने मन को साध लोगे, उसी दिन तुम संसार के पार हो जाओगे। राजाओं ने राज्य जीते हैं, योद्धाओं ने रण जीते हैं, पर जिसने अपने मन को जीता है, उसने समस्त सृष्टि को जीत लिया है। मन विजय ही सच्ची मुक्ति है।"

संध्या का समय था, आकाश में तारों की छटा उभरने लगी थी। अग्निवेश के हृदय में एक नया आलोक जगमगाने लगा। अब उन्हें समझ आ गया कि जीवन का असली उद्देश्य किसी बाहरी खोज में नहीं, बल्कि अपने ही भीतर छिपे उस मन को जीतने में है, जो संसार का मूल भी है और मुक्ति का मार्ग भी। और उस क्षण उन्होंने प्रण किया कि वे अपना जीवन केवल एक साधना को समर्पित करेंगे — मन के आरपार पहुँचकर आत्मा को जानने की साधना।

प्रधानमंत्री मोदी का 25 वर्षों का सफर सिर्फ सत्ता में बने रहने की नहीं बल्कि संकल्प से सिद्धि की कहानी है

7 अक्टूबर 2001, यह वह दिन था जब गुजरात विधानसभा के प्रांगण में एक साधारण स्वयंसेवक ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। नरेंद्र मोदी का राजनीतिक सफर वहीं से प्रारंभ हुआ जो आज 25 वर्ष बाद भारतीय राजनीति के सबसे निर्णायक, सबसे प्रभावशाली नेतृत्व की कहानी बन चुका है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर अपने सोशल मीडिया संदेश में न केवल अतीत को याद किया, बल्कि "विकसित भारत" के अपने सपने को दोहराया। उन्होंने लिखा— "जनता के आशीर्वाद से मैं सरकार के मुखिया के रूप में सेवा के अपने 25वें वर्ष में प्रवेश कर रहा हूं। मेरा हर प्रयास देश के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के लिए रहा है।"

देखा जाये तो 2001 में गुजरात का नेतृत्व संभालने वाले मोदी ने उस राज्य को उद्योग, इंफ्रास्ट्रक्चर और प्रशासनिक सुधारों का मॉडल बनाया। 2002 के बाद गुजरात ने जिस तीव्र गति से विकास किया, उसने पूरे देश में "गुजरात मॉडल" की चर्चा शुरू की। बिजली, जल प्रबंधन, कृषि उत्पादन और निवेश में राज्य ने नए आयाम स्थापित किए। यही मॉडल आगे चलकर 2014 में नरेंद्र मोदी को देश की सर्वोच्च जिम्मेदारी तक लेकर आया।

जब उन्होंने 2014 में प्रधानमंत्री पद की शपथ ली, तब देश आर्थिक ठहराव, भ्रष्टाचार और वैश्विक अविश्वास से घिरा था। मोदी ने इस ठहराव को तोड़ते हुए 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मंत्र के साथ नई ऊर्जा भरी। उनके नेतृत्व में भारत ने न केवल आर्थिक मोर्चे पर बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी आत्मविश्वास की नई परिभाषा गढ़ी।

प्रधानमंत्री मोदी का 25 वर्षों का यह सफर सिर्फ सत्ता में बने रहने की कहानी नहीं है; यह संकल्प से सिद्धि की कहानी है। पिछले दशक में भारत ने अनेक ऐतिहासिक परिवर्तन देखे। डिजिटल इंडिया ने शासन और नागरिकों के बीच पारदर्शिता और गति सुनिश्चित की। स्वच्छ भारत मिशन ने सामाजिक आंदोलन का रूप लिया। उज्ज्वला योजना से करोड़ों गरीब परिवारों की रसोई में धुआंमुक्त जीवन पहुंचा। मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और आत्मनिर्भर भारत ने अर्थव्यवस्था को नवाचार और आत्मविश्वास की दिशा दी। चंद्रयान-3 और गगनयान मिशन ने विज्ञान में भारत की साख को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। आज भारत दुनिया की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और विश्व बैंक, IMF, तथा विश्व आर्थिक मंच तक इसे "ग्लोबल ब्राइट स्पॉट" कह रहे हैं।

इसके अलावा, मोदी युग की एक सबसे उल्लेखनीय उपलब्धि भारत की आक्रामक लेकिन संतुलित विदेश नीति रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की आवाज़ को नई प्रतिष्ठा दिलाई। G20 शिखर सम्मेलन की सफल मेजबानी ने भारत को 'विश्व के विश्वास' के केंद्र में ला खड़ा किया। इंडो-पैसिफिक रणनीति और क्वॉड गठबंधन में भारत की भूमिका अब निर्णायक है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच मोदी का "यह युद्ध का युग नहीं है" वाला संदेश आज वैश्विक कूटनीति की मिसाल बन चुका है। इसके अलावा, अफ्रीका, खाड़ी देशों और दक्षिण एशिया में भारत ने न केवल व्यापारिक बल्कि सांस्कृतिक और मानवीय संबंधों को भी मजबूत किया है। मोदी की विदेश नीति की खासियत यह है कि उन्होंने 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के दर्शन को आधुनिक कूटनीति में ढाल दिया— जहां भारत न किसी के सामने झुकता है, न किसी को झुकाता है। आज, प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेश में अपनी माँ की सलाह का उल्लेख करते हुए कहा— "उन्होंने कहा था, दो बातें कभी मत भूलना— गरीबों के लिए काम करना और कभी रिश्वत मत लेना।" यही मूल्य आज उनके राजनीतिक जीवन की धुरी हैं। उनकी 'गरीब कल्याण' नीतियों से लेकर 'न्यू इंडिया' की दृष्टि तक— हर कदम जनता के सशक्तिकरण की दिशा में रहा है। आज मोदी 25 वर्षों के इस सार्वजनिक जीवन में उस दौर के नेता हैं जिन्होंने न केवल सत्ता को सेवा का माध्यम बनाया, बल्कि भारतीय राजनीति में 'गवर्नेंस का धर्म' स्थापित किया।

देखा जाये तो 25 वर्षों की यात्रा में नरेंद्र मोदी केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक विचार बन चुके हैं— आत्मनिर्भरता, राष्ट्रगौरव और जनता के सशक्तिकरण का विचार। उनकी प्रतिबद्धता, वैश्विक दृष्टि और अडिग राष्ट्रवाद ने भारत को एक ऐसी राह पर डाल दिया है जहाँ "विकसित भारत" अब सपना नहीं, लक्ष्य बन चुका है। जैसे-जैसे देश 2047 की ओर बढ़ रहा है, प्रधानमंत्री मोदी का यह संदेश और प्रासंगिक हो उठता है— "सेवा ही सम्मान है, और भारत का उत्थान ही मेरा धर्म।"

अभियान

हनुमान भक्ति से ऋणमुक्ति का चमत्कार: वाराणसी के व्यापारी माधवदास की अलौकिक कथा

वाराणसी नगरी, जहाँ गंगा की लहरें स्वयं भक्ति का संगीत सुनाती हैं, वहाँ एक व्यापारी रहता था — माधवदास। वह साधारण मनुष्य था, पर उसका हृदय अत्यंत पवित्र और कर्मशील था। उसके घर में न छल था, न अभिमान। हर सुबह वह भगवान की आरती करता, मंदिरों में दान देता और जो भी उसके द्वार आता, उसे निराश नहीं लौटाता। कपड़े का छोटा-सा व्यापार ही उसकी आजीविका थी, जो उसके पूर्वजों की विरासत थी। सब कुछ सुचारु चल रहा था, लेकिन नियति का लेखा मनुष्य की योजना से बड़ा होता है।

एक समय ऐसा आया जब किस्मत ने जैसे उससे मुँह मोड़ लिया। अचानक व्यापार में भारी घाटा हुआ। जो माल उसने विदेश भेजा था, वह समुद्र में डूब गया। जिन पर उसने भरोसा किया था, वे साथी धोखेबाज निकले। ऊपर से बीमारी ने उसे तोड़ दिया, जिससे चिकित्सा में सारा धन खत्म हो गया। परिवार के पालन के लिए उसने उधार लेना शुरू किया — पहले दोस्तों से, फिर रिश्तेदारों से और आखिर में निर्दयी साहूकारों से।

दिन-प्रतिदिन उसका कर्ज बढ़ता गया, ब्याज का बोझ असहनीय होता गया। घर का सुख छिन गया, और उसकी पत्नी हर रात भगवान के सामने रोते हुए यही प्रार्थना करती — "हे प्रभु, हमारे इस संकट का अंत कब होगा?" परंतु जवाब में केवल मौन मिलता।

एक दिन जब निराशा ने उसे पूरी तरह जकड़ लिया, वह गंगा तट पर जाकर बैठ गया। शाम का समय था, गंगा की लहरें सुनहरी आभा में नाच रही थीं, और हवा में मंदिरों की घंटियों का मधुर स्वर गूंज रहा था। पर उसके भीतर केवल अंधकार था। उसने निश्चय कर लिया था कि वह अब सब कुछ छोड़ देगा। तभी अचानक एक वृद्ध साधु वहाँ आए। उनकी आँखों में गहरा तेज था, और चेहरे पर अजीब सी शांति।

साधु ने पूछा — "बेटा, तेरा चेहरा इतना उदास क्यों है?"

माधवदास ने सिर झुकाकर कहा — "महाराज, मैं ऋण के जाल में फँस गया हूँ। जितना चुकाता हूँ, उतना बढ़ जाता है। अब तो जीवन ही व्यर्थ लगने लगा है।"

साधु मुस्कुराए और बोले — "कर्ज से बड़ा कोई शत्रु नहीं, और उससे मुक्ति का कोई बड़ा मित्र नहीं — श्री हनुमान। जब मनुष्य सच्चे मन से बजरंगबली की शरण में आता है, तो उसके जीवन से भय, दुर्भाग्य और ऋण अपने आप दूर हो जाते हैं। हनुमान न केवल बल और भक्ति के देवता हैं, वे मंगल ग्रह के अधिपति भी हैं। और मंगल ही ऋणमोचक ग्रह है। जब मंगल की शक्ति जागृत होती है, तब मनुष्य आर्थिक संकट से निकलकर पुनः समृद्धि की ओर बढ़ता है।"

माधवदास ध्यानपूर्वक सुनता रहा। साधु ने कहा — "बेटा, आने वाले मंगलवार से यह साधना आरंभ कर। प्रातःकाल स्नान कर लाल वस्त्र धारण कर। श्री हनुमान जी के चित्र के सामने घी का दीपक जलाना। लाल फूल अर्पित करना और श्रद्धा से हनुमान चालीसा का पाठ करना। उसके बाद 108 बार यह मंत्र जप करना — 'ॐ हं हनुमते नमः'। और प्रत्येक मंगलवार को लाल वस्त्र, गुड़, मसूर की दाल, शहद, सिंदूर या लाल फूल का दान करना। यह मंगल ग्रह को प्रसन्न करता है और ऋण से मुक्ति दिलाता है।"

फिर साधु ने एक विशेष रहस्य बताया — "मंगलवार की रात जब सब सो जाएँ, तू हनुमान मंदिर जा। वहाँ दो दीपक जला — एक छोटा दीपक घी का अपनी दाहिनी ओर रख, और दूसरा बड़ा दीपक नौ बत्तियों वाला सरसों के तेल का, जिसमें दो लौंग डालना। बड़ा दीपक श्री हनुमान जी के सामने रखना और उसे पूरी रात जलने देना। ऐसा लगातार पाँच मंगलवार करना। जब दीपक की लौ लहराए, तो अपनी प्रार्थना कहना —

'हे पवनपुत्र हनुमान, मेरे जीवन से यह ऋण का बोझ मिटा दो। मुझे पुनः कर्मशील, साहसी और समृद्ध बनाओ।'"

माधवदास ने साधु के हर वचन को अपने हृदय में अंकित कर लिया। अगले मंगलवार से उसने साधना प्रारंभ की। जब उसने पहला दीपक जलाया, उसे भीतर एक अजीब-सी शांति महसूस हुई, जैसे किसी ने उसके मन के बोझ को हल्का कर दिया हो।

दूसरे मंगलवार को उसका एक पुराना ग्राहक अचानक घर आया और उसने वर्षों पुराना बकाया पैसा लौटा दिया। तीसरे मंगलवार को उसके व्यापार में नया ऑर्डर आया। चौथे मंगलवार तक उसके साहूकारों का व्यवहार भी बदल गया — वे जो पहले उसे अपमानित करते थे, अब विनम्र होकर बोले, "लगता है तुम्हारे जीवन में भगवान की कृपा उतर आई है।"

और पाँचवें मंगलवार को वह चमत्कार हुआ जिसने उसकी नियति बदल दी। उसके पुराने व्यापारिक साझेदार, जो वर्षों पहले विदेश चला गया था, अचानक लौट आया और उसने बताया कि उसने पुराने हिसाब में माधवदास का कुछ धन रखा था। उसने वह सारा धन वापस लौटा दिया, जिससे माधवदास ने उसी दिन अपना सारा कर्ज चुका दिया।

खुशी से रोता हुआ माधवदास गंगा तट पर पहुँचा, जहाँ वह साधु से मिला था। लेकिन वहाँ कोई नहीं था — केवल गंगा की ठंडी हवा, जल की कलकल ध्वनि और उड़ती तुलसी की पत्तियाँ। उसी क्षण उसे अनुभूति हुई कि वह साधु कोई साधारण मनुष्य नहीं, स्वयं बजरंगबली ही थे जिन्होंने दया करके उसे मुक्ति का मार्ग दिखाया। वह वहीं खड़ा होकर रो पड़ा और कहा — "हे हनुमान, आपने मेरे जीवन को पुनः प्रकाश से भर दिया। अब मैं आपका आजीवन भक्त रहूँगा।"

उस दिन से माधवदास हर मंगलवार को हनुमान जी के मंदिर जाने लगा, दीपक जलाने लगा और दूसरों की मदद करने लगा। उसका व्यापार फिर से बढ़ा, घर में सुख-शांति लौटी और वह एक आदर्श व्यक्ति के रूप में प्रसिद्ध हुआ।

लोग कहते हैं कि आज भी वाराणसी के उस मंदिर में यदि कोई सच्चे मन से पाँच मंगलवार तक वही साधना करे, तो उसके जीवन में चमत्कार होता है। गंगा की हवा में एक अदृश्य ऊर्जा होती है जो भक्त की प्रार्थना को पकड़ लेती है, और श्री हनुमान उसके जीवन से हर बंधन काट देते हैं।

यह कथा केवल माधवदास की नहीं, हर उस मनुष्य की है जो संकट में विश्वास खो देता है। यह कथा सिखाती है कि सच्ची श्रद्धा, निःस्वार्थ भक्ति और निरंतर कर्म — ये तीनों जब मिलते हैं, तो स्वयं ब्रह्मांड भी सहायता के लिए उतर आता है।

हनुमान जी कहते हैं —

"भरोसा रख, भक्ति कर, और सत्य के मार्ग पर चल।

फिर देख, तेरे जीवन का हर कर्ज, हर दुख और हर भय

मेरे चरणों में समर्पित हो जाएगा।"

RNI No. GJHIN/25/A2786 Printed, Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004
(2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset, Bhatiya Ni Wadi, Opp Kalupur Railway Station, Kalupur, Ahmedabad-380 002. (3) HADIK MAHESHBHAI DESAI at Bhoomi Offset, Bhatiya Ni Wadi, Opp Kalupur Railway Station, Kalupur, Ahmedabad-380 002
and Published from B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424. Editor : JIGNESHKUMAR PATHABHAI VAGHELA

श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जन विश्वास, सेवा और समर्पण के 24 वर्ष पूरे होने के अवसर पर राज्य में विकास सप्ताह के जश्न का दूसरा दिन

डेमोग्राफिक डिविडेंड हमारी सबसे बड़ी पूंजी है और प्रधानमंत्री ने इस पूंजी को दीर्घकालिक समृद्धि के लिए देश की ताकत बनाने का संकल्प किया है :

-मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल :-

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने कौशल, इच्छा शक्ति और जोश के जरिए पत्थर से पानी निकालने की क्षमता रखने वाली युवा शक्ति को कौशल विकास की नई राह दिखाई
- युवाओं के नवाचार को प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए प्रोत्साहन से अनेक स्टार्टअप आत्मनिर्भर बने और गुजरात स्टार्टअप रैंकिंग में लगातार 4 वर्षों से शीर्ष पर
- मुख्यमंत्री ने युवाओं से प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर, वोकल फॉर लोकल और स्वदेशी जैसे अभियानों को अपनाने का प्रेरक आह्वान किया

▸▸ मुख्यमंत्री की प्रेरक उपस्थिति में युवा, रोजगार और कौशल सशक्तिकरण समारोह संपन्न

▸▸ 658 भर्ती मेलों के माध्यम से निजी क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने वाले 55 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र जबकि 25 हजार से अधिक युवाओं को प्रोविजनल ऑफर लेटर वितरित

▸▸ उद्योगों के अनुरूप मानव संसाधन मुहैया कराने के लिए 100 से अधिक उद्योग साझेदारों के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए

(जीएनएस)। गांधीनगर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने साफ कहा कि विशाल युवा शक्ति (डेमोग्राफिक डिविडेंड) हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस पूंजी को दीर्घकालिक समृद्धि के लिए देश की ताकत बनाने का संकल्प किया है। उन्होंने यह बात राज्य में 7 से 15 अक्टूबर के दौरान मनाए जा रहे विकास सप्ताह के दूसरे दिन बुधवार को गांधीनगर में आयोजित युवा रोजगार और कौशल सशक्तिकरण समारोह की अध्यक्षता करते हुए कही। इस समारोह का राज्य के 33 जिलों के आईटीआई में सीधा प्रसारण किया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गांधीनगर और विभिन्न मंत्रियों ने अलग-अलग जिलों में आयोजित समारोह में समग्र राज्य में आयोजित किए गए 658 भर्ती मेलों के दौरान निजी क्षेत्र में नौकरी प्राप्त करने वाले 57,502 युवाओं को सांकेतिक तौर पर नियुक्ति पत्र भी वितरित किए।

राज्य सरकार के श्रम कौशल विभाग ने आईटीआई में ड्रॉपआउट की दर को कम करने के लिए प्रशिक्षुओं को प्रोविजनल ऑफर लेटर देने की पहल की है, इसके अंतर्गत 25,000 से अधिक युवाओं को यह लेटर वितरित किए।

इतना ही नहीं, मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल और श्रम एवं रोजगार तथा उद्योग मंत्री श्री बळवंतसिंह राजपूत एवं महानुभावों की उपस्थिति में उद्योगों के अनुरूप मानव संसाधन बल मुहैया कराने के लिए 100 से अधिक उद्योग साझेदारों के साथ समझौता ज्ञापनों (एमओयू) का आदान-प्रदान किया गया।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने युवाओं को मिले इन रोजगार अवसरों को उनके घर-परिवार में दिवाली का आर्थिक उजियारा बनने के साथ-साथ आत्मनिर्भरता की दिशा में एक नया कदम भी करार दिया।

उन्होंने कहा कि अपने कौशल, इच्छा शक्ति और जोश (स्किल, विल और जील) के जरिए पत्थर से भी पानी निकालने की क्षमता रखने वाली युवा शक्ति को प्रधानमंत्री ने कौशल विकास की एक नई राह दिखाई है। इन 24 वर्षों में गुजरात के युवाओं को अपार अवसर प्रदान कर उन्हें 'जॉब सीकर' से 'जॉब गिवर' बनाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में 'हर हाथ को काम' का मंत्र साकार हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में आने वाले उद्योगों को उचित मानवबल मुहैया कराने के लिए इंडस्ट्री और आईटीआई के बीच सहयोग का जो मॉडल प्रधानमंत्री ने दिया है, उसे कौशल पाठ्यक्रमों के जरिए आगे बढ़ाते हुए राज्य सरकार ने कौशल्य- द स्किल यूनिवर्सिटी शुरू की है।

इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि इस यूनिवर्सिटी के 12,000 से अधिक युवा ग्रीन और रिन्यूएबल एनर्जी, सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), हेल्थ केयर और एग्रो सर्विसेज जैसे रोजगार के व्यापक अवसर वाले विभिन्न पाठ्यक्रमों में सफल हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में गुजरात में युवा शक्ति के नवाचार को गति मिलने के कारण 12,500 से अधिक स्टार्टअप आत्मनिर्भर बने हैं और गुजरात लगातार 4 वर्षों से स्टार्टअप रैंकिंग में देश में अव्वल रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री ने पिछले एक दशक में 15 मिलियन यानी डेढ़ करोड़ से अधिक युवाओं को विभिन्न पाठ्यक्रमों में गहन प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध कराई है और कौशल एवं तकनीकी योग्यता के साथ जोड़ा है। ऐसे कुशल युवाओं को पीएम रोजगार अप्रेंटिसशिप के तहत उद्योगों में रोजगार भी दिए गए हैं। श्री पटेल ने इस मौके पर देश के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई एक लाख करोड़ रुपए की पीएम विकसित भारत रोजगार योजना पर भी प्रकाश डाला।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने युवा शक्ति से आह्वान किया कि वे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत, वोकल फॉर लोकल एवं हर घर स्वदेशी जैसे अभियानों को अपनाएं।

श्रम, कौशल एवं रोजगार मंत्री श्री बळवंतसिंह राजपूत ने कहा कि पूरे राज्य में मनाए जा रहे विकास सप्ताह के दौरान राज्य के 57 हजार से अधिक युवाओं को आज रोजगार पत्र वितरित किए गए हैं, जो हम सभी के लिए गौरव का दिन है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात ने एक अनूठी पहल की है, जिसके अंतर्गत रोजगार मेलों के साथ-साथ युवाओं को कंपनियों के मार्गदर्शन में पढ़ाई के तुरंत बाद नौकरी उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है।

श्री राजपूत ने कहा कि आगामी समय में प्रवेश प्राप्त करने वाले 100 फीसदी युवाओं को पढ़ाई के दौरान ही स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाएगी। आज सिंगल विंडो के माध्यम से रजिस्ट्रेशन के द्वारा नौकरी दी और हासिल की जा सकती है। रोजगार मेले एवं भर्तियों के अन्य माध्यमों से अनेक युवाओं को रोजगार प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात की बेरोजगारी दर केवल 1.1 फीसदी है, जो देश की 3.2 फीसदी की तुलना में काफी कम है, सरकार इस दर में और कमी लाने के लिए लगातार प्रयासरत है। श्रम, कौशल एवं रोजगार मंत्री ने कहा कि गुजरात सरकार ने ऐसी व्यवस्था की है कि देश भर से नागरिक गुजरात में आकर अच्छी नौकरी प्राप्त कर यहां रह रह सकते हैं। उन्होंने रोजगार प्राप्त करने वाले सभी युवाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा युवाओं को रोजगार प्रदान करने के लिए विभिन्न उद्योगों को भी सहायता दी जाती है।

श्रम, कौशल और रोजगार विभाग के प्रधान सचिव श्री विनोद राव ने स्वागत भाषण में कहा कि आगामी समय में युवाओं को रोजगार प्रदान करने वाले ऐसे कार्यक्रमों के अंतर्गत अधिक से अधिक प्रभावी कार्य किया जाएगा। आज गांधीनगर सहित पूरे राज्य में युवाओं को नियुक्ति पत्र और प्रोविजनल ऑफर लेटर देने तथा उद्योगों के साथ एमओयू के करने के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि अगल वर्ष से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि 100 फीसदी छात्रों को पढ़ाई के दौरान ही प्रोविजनल ऑफर लेटर मिल जाएं। रोजगार एवं प्रशिक्षण निदेशक श्री नितिन सांगवान ने आभार व्यक्त किया। इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में गांधीनगर की महापौर श्रीमती मीराबेन पटेल, गांधीनगर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शिल्पाबेन पटेल, श्रम निदेशक श्री के.डी. लाखाणी, कौशल विकास निदेशक श्री कमलेश राठोड़ सहित श्रम एवं रोजगार विभाग के अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में युवा एवं रोजगार दाता उपस्थित रहे। वहीं, पूरे राज्य से 1.5 लाख से अधिक युवा वर्चुअल तरीके से इस कार्यक्रम से जुड़े।

सोलापुर मंडल ने रचा नया कीर्तिमान: माल लदान में 86.21% की प्रभावशाली वृद्धि, पहली छमाही में 200.55 करोड़ का राजस्व अर्जित

सोलापुर। मध्य रेल के सोलापुर मंडल ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। सितंबर 2025 के दौरान मंडल ने माल लदान में 86.21% की ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज करते हुए अपनी परिचालन दक्षता और रणनीतिक दृष्टि का परिचय दिया। पिछले वर्ष सितंबर 2024 में जहाँ मंडल ने 2,90,000 मीट्रिक टन माल लादा था, वहीं इस बार यह आंकड़ा बढ़कर 5,40,000 मीट्रिक टन तक पहुँच गया। इस प्रभावशाली प्रदर्शन से मंडल की माल ढुलाई से आय भी 70.89% की वृद्धि के साथ 35.99 करोड़ हो गई। यह वृद्धि केवल आंकड़ों का नहीं, बल्कि रेलवे के आधुनिक प्रबंधन, बेहतर ग्राहक सेवा और नई कारोबारी संभावनाओं के सफल उपयोग का परिणाम है।

सितंबर माह में वस्तु-वार प्रदर्शन ने भी उत्साहजनक संकेत दिए। सीमेंट, क्लिंकर, पेट्रोलियम, गुड़ और गिट्टी जैसे प्रमुख उत्पादों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई। सीमेंट लदान में 27.53% की वृद्धि से 16.81 करोड़ की आय हुई, जबकि क्लिंकर की ढुलाई में भार और राजस्व दोनों में 100% की अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई। इसके साथ ही पेट्रोलियम और लुब्रिकेंट के नए यातायात ने 4.28 करोड़ का योगदान किया। गुड़ और गिट्टी जैसे मालों में भी क्रमशः 51.42% और 19.28% की वृद्धि दर्ज हुई। ये सभी आंकड़े यह दर्शाते हैं कि सोलापुर मंडल ने स्थानीय उद्योगों के साथ समन्वय बढ़ाकर एक सशक्त आर्थिक सहयोग तंत्र विकसित किया है।

वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही के संचयी आँकड़े भी मंडल की सफलता की कहानी बयां करते हैं। अप्रैल से सितंबर 2025 के बीच सोलापुर मंडल ने कुल 29.1 लाख मीट्रिक टन माल लदान किया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 15.94% अधिक है। इस अवधि में मंडल ने 200.55 करोड़ का राजस्व अर्जित किया। कुल 1,010 रेक संभालने का कीर्तिमान भी बनाया गया, जो पिछले वर्ष के 892 रेक की तुलना में 13.23% अधिक है। यह उपलब्धि कुशल परिचालन प्रबंधन, बेहतर ग्राहक संवाद, आधुनिक माल ढुलाई योजनाओं और नई यातायात धाराओं को प्राप्त करने की निरंतर कोशिशों का प्रमाण है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक योगेश पाटिल ने इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह वृद्धि सोलापुर, कलबुरगि, लातूर, धाराशिव, सांगली और पुणे जैसे औद्योगिक केंद्रों के सहयोग से संभव हुई है। उन्होंने क्षेत्र के उद्योगपतियों और व्यापारियों से अपील की कि वे रेलवे की तेज, सुरक्षित और किफायती माल परिवहन सेवाओं का लाभ लेकर अपने व्यापार को विस्तार दें।

सोलापुर मंडल अब केवल एक परिवहन इकाई नहीं, बल्कि औद्योगिक विकास की प्रेरक शक्ति बन चुका है। अपने माल आधार का विस्तार, नई लॉजिस्टिक योजनाओं का क्रियान्वयन और पर्यावरण-अनुकूल ढुलाई मिशन के माध्यम से यह मंडल मध्य रेल के समग्र विकास अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। निरंतर प्रगति और ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ सोलापुर मंडल आने वाले समय में भी भारतीय रेलवे की आर्थिक रीढ़ को और सुदृढ़ बनाने के लिए संकल्पित है।

पीपावाव रेल कॉर्पोरेशन द्वारा CSR प्रोजेक्ट के तहत भावनगर रेलवे मंडल के बाल मंदिर और कीड्स हट स्कूल के विकास में योगदान

(जीएनएस)। पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन (WRWWO), भावनगर मंडल द्वारा संचालित कीड्स हट एवं बाल मंदिर विद्यालयों के नन्हें-मुन्नें बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु उत्कृष्ट प्रयासों की श्रृंखला में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा के प्रयासों से, दिनांक 08 अक्टूबर 2025 को पीपावाव रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (PRCL) द्वारा अपने CSR (Corporate Social Responsibility) कार्यक्रम — ज्ञान उदय प्रोजेक्ट — के अंतर्गत विद्यालयों के विकास हेतु विभिन्न शैक्षणिक एवं बुनियादी वस्तुएं प्रदान की गईं।

इन वस्तुओं में स्मार्ट बोर्ड, बेंच, कपबोर्ड, ब्लैक बोर्ड, व्हाइट बोर्ड सहित कई उपयोगी सामग्री शामिल हैं, जिससे विद्यालयों में अध्ययन वातावरण को और अधिक सशक्त एवं आधुनिक बनाया जा सकेगा। उल्लेखनीय है कि

ये दोनों विद्यालय पिछले 36 वर्षों से संचालित हो रहे हैं और रेलवे कर्मचारियों एवं अन्य सामान्य नागरिकों के बच्चों के लिए भी गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा का केंद्र बने हुए हैं।

इस अवसर पर पीपावाव रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की ओर से

- श्रीमती सीमा कुमार, प्रबंधक निदेशक (नई दिल्ली)
- श्री मुकुल जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष (नई दिल्ली)
- श्रीमती लीना नरवाल, कंपनी सचिव/उपाध्यक्ष (नई दिल्ली)
- श्री राजकुमार पंजवानी, वरिष्ठ प्रबंधक (भावनगर) उपस्थित रहे।
- भावनगर मंडल की ओर से मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा, अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री हिमाँशु शर्मा, अन्य वरिष्ठ अधिकारी तथा पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन (WRWWO), भावनगर मंडल की अध्यक्षा श्रीमती शालिनी वर्मा एवं संगठन की सभी पदाधिकारी उपस्थित थीं।
- इस पहल से न केवल विद्यालयों के बुनियादी ढांचे को मजबूती मिली है, बल्कि बच्चों के समग्र विकास एवं आधुनिक शिक्षा के वातावरण को भी नया आयाम प्राप्त हुआ है।

बांद्रा टर्मिनस-बढ़नी स्पेशल ट्रेन का बलरामपुर स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव

(जीएनएस)। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन संख्या 09043/09044 बांद्रा टर्मिनस-बढ़नी स्पेशल ट्रेन को बलरामपुर स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण निम्नानुसार हैः

बांद्रा टर्मिनस से 12 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09043 बांद्रा टर्मिनस-बढ़नी स्पेशल बलरामपुर स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन बलरामपुर स्टेशन पर 06:22 बजे पहुँचेगी और 06:24 बजे प्रस्थान करेगी।

इसी प्रकार, बढ़नी से 13 अक्टूबर, 2025 यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09044 बढ़नी-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल बलरामपुर स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन बलरामपुर स्टेशन पर 14:40 बजे पहुँचेगी और 14:42 बजे प्रस्थान करेगी।

ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

धुले रेलवे स्टेशन पर "अमृत संवाद" में गूंजी जनता की आवाज़: यात्रियों के सुझावों से और सुदृढ़ होंगी रेल सेवाएँ

धुले। भारतीय रेल द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान 5.0 के तहत आज भुसावल मंडल के धुले रेलवे स्टेशन पर "अमृत संवाद" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन केवल एक औपचारिक समीक्षा नहीं, बल्कि रेलवे प्रशासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का सार्थक प्रयास था। कार्यक्रम का उद्देश्य स्टेशन पर हुए पुनर्विकास कार्यों की गुणवत्ता का मूल्यांकन करना, यात्रियों के अनुभवों को सुनना और भविष्य की योजनाओं में स्थानीय नागरिकों के सुझावों को शामिल करना था, ताकि रेलवे की सेवाएँ और अधिक जनोन्मुखी और आधुनिक बन सकें।

मंडल रेल प्रबंधक पुनीत अग्रवाल ने कार्यक्रम की अगुवाई करते हुए यात्रियों से सीधे संवाद किया। उन्होंने उपस्थित यात्रियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और व्यापारिक समुदाय के सदस्यों से कहा कि रेलवे केवल एक परिवहन व्यवस्था नहीं, बल्कि जनता के जीवन का अभिन्न हिस्सा है, इसलिए इसकी योजनाओं में जनता की भागीदारी अनिवार्य है।

अग्रवाल ने विस्तार से बताया कि धुले रेलवे स्टेशन को "अमृत स्टेशन योजना" के तहत पुनर्विकसित किया गया है, जिसमें यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। स्टेशन पर नवनिर्मित प्रतीक्षालय अब अधिक विशाल और आरामदायक हैं, स्वच्छ शौचालयों का निर्माण किया गया है, प्लेटफॉर्म पर नए शेड लगाए गए हैं ताकि यात्रियों को हर मौसम में सुविधा मिल सके। इसके साथ ही पेयजल की आधुनिक व्यवस्था, सर्कुलेटिंग एरिया का सौंदर्यीकरण, कोच मार्गदर्शन प्रणाली, स्पष्ट दिशा संकेतक और 'एक स्टेशन एक उत्पाद' स्टॉल जैसी पहलें स्टेशन की पहचान को नया रूप दे रही हैं। यह पहल न केवल यात्रियों की सुविधा बढ़ा रही है बल्कि स्थानीय उत्पादों और कारीगरों को भी प्रोत्साहन दे रही है।

कार्यक्रम के दौरान यात्रियों और रेलवे अधिकारियों के बीच खुले संवाद का वातावरण रहा। यात्रियों ने अपनी समस्याएँ, सुझाव और अनुभव साझा किए — कुछ ने प्लेटफॉर्म की साफ-सफाई की सराहना की, तो कुछ ने टिकट खिड़की पर और अधिक सहायता केंद्र की आवश्यकता बताई। मंडल रेल प्रबंधक ने सभी सुझावों को ध्यानपूर्वक सुना और आश्वासन दिया कि उपयोगी विचारों को जल्द ही क्रियान्वित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि "रेलवे की वास्तविक सफलता तभी है जब यात्रियों को हर यात्रा में सहजता और संतुष्टि का अनुभव हो।"

धुले स्टेशन पर हुए इस "अमृत संवाद" कार्यक्रम ने यह सिद्ध किया कि रेलवे और जनता का रिश्ता केवल सेवाओं का नहीं, बल्कि साझेदारी का है। रेलवे प्रशासन ने स्पष्ट किया कि भविष्य में ऐसे संवाद नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे ताकि हर नागरिक की आवाज़ विकास की दिशा तय करने में सुनी जा सके।

इस अवसर पर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी, स्टेशन प्रबंधक, कर्मचारीगण और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ, जिसमें सभी ने एक स्वर में यह संकल्प दोहराया कि भारतीय रेल की प्रगति में जनता की सहभागिता ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है।

सूरत स्टेशन पर 10 अक्टूबर, 2025 से कुछ ट्रेनों के ठहराव बहाल

(जीएनएस)। आगामी त्योहारों जैसे दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पूजा के मद्देनजर, कई त्योहार स्पेशल ट्रेनें उधना स्टेशन से ओरिजिनेट/टर्मिनेट होंगी, जिससे इस स्टेशन पर यात्रियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। यात्री यातायात में उल्लेखनीय वृद्धि की आशंका के मद्देनजर भीड़ नियंत्रण के उपाय के रूप में सूरत स्टेशन पर अस्थायी रूप से बंद की गई कुछ ट्रेनों का ठहराव 10 अक्टूबर, 2025 से अगले आदेश तक पुनः बहाल किया जा रहा है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, स्टेशन पुनर्विकास कार्य के मद्देनजर सूरत स्टेशन पर अस्थायी रूप से कुछ हटाई गई अप एवं डाउन ट्रेनों के ठहराव को 10 अक्टूबर, 2025 से बहाल किया जा रहा है। इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैः

सूरत स्टेशन पर निम्न अप ट्रेनों का ठहराव

1.09 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12655 अहमदाबाद– पुरट्चि तलैवर डॉ. एम.जी. रामचंद्रन सेंट्रल नवजीवन एक्सप्रेस

2.10 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12833 अहमदाबाद–हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस

3.10 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19483 अहमदाबाद–सहरसा एक्सप्रेस

4.16 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19435 अहमदाबाद–आसनसोल एक्सप्रेस

5.09 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20824 अजमेर–पुरी सुपरफास्ट

6.15 अक्टूबर 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20820 ओखा–पुरी साप्ताहिक एक्सप्रेस

7.11 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22939 ओखा–बिलासपुर एक्सप्रेस

8.10 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12993 गांधीधाम–पुरी सुपरफास्ट एक्सप्रेस

9.12 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20804 गांधीधाम–विशाखापत्तनम सुपरफास्ट एक्सप्रेस

10.14 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22664 जोधपुर–तांबरम सुपरफास्ट एक्सप्रेस

11.10 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22738 हिसार–सिकंदराबाद सुपरफास्ट एक्सप्रेस

12.11 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22724 श्री गंगानगर–हजूर साहिब नांदेड़ सुपरफास्ट एक्सप्रेस

13.16 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22967 अहमदाबाद-प्रयागराज सुपरफास्ट एक्सप्रेस

14.15 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12905 पोरबंदर-शालीमार सुपरफास्ट एक्सप्रेस

15.12 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22905 ओखा-शालीमार सुपरफास्ट एक्सप्रेस

16.10 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12949 पोरबंदर-सांतरागाछी कविगुरु एक्सप्रेस

17.14 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 16734 ओखा-रामेश्वरम एक्सप्रेस

18.12 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22138 अहमदाबाद-नागपुर प्रेरणा एक्सप्रेस

19.14 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20903 एकता नगर-वाराणसी महामना एक्सप्रेस

20.10 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20905 एकता नगर-रीवा महामना एक्सप्रेस

21.12 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22937 राजकोट-रीवा सुपरफास्ट एक्सप्रेस

22.11 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12844 अहमदाबाद-पुरी सुपरफास्ट एक्सप्रेस

23.10 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20862 अहमदाबाद-पुरी साप्ताहिक एक्सप्रेस

24.14 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22689 अहमदाबाद-यशवंतपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस

25.15 अक्टूबर 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22973 गांधीधाम-पुरी सुपरफास्ट एक्सप्रेस

सूरत स्टेशन पर निम्न डाउन ट्रेनों का ठहराव

1.10 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12906 शालीमार-पोरबंदर सुपरफास्ट एक्सप्रेस

2.14 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22906 शालीमार-ओखा सुपरफास्ट एक्सप्रेस

3.09 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12843 पुरी-अहमदाबाद सुपरफास्ट एक्सप्रेस

4.08 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20861 पुरी-अहमदाबाद सुपरफास्ट एक्सप्रेस

5.13 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12994 पुरी-गांधीधाम सुपरफास्ट एक्सप्रेस

6.12 अक्टूबर 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12950 सांतरागाछी-पोरबंदर कविगुरु सुपरफास्ट एक्सप्रेस

7.09 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20904 वाराणसी-एकता नगर महामना एक्सप्रेस

8.09 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20823 पुरी-अजमेर सुपरफास्ट एक्सप्रेस

9.13 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22940 बिलासपुर-ओखा सुपरफास्ट एक्सप्रेस

10.08 अक्टूबर, 2025को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12834 हावड़ा-अहमदाबाद सुपरफास्ट एक्सप्रेस

11.08 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19484 सहरसा-अहमदाबाद एक्सप्रेस

12.11 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19436 आसनसोल-अहमदाबाद एक्सप्रेस

13.09 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12656 पुरट्चि तलैवर डॉ. एम.जी. रामचंद्रन सेंट्रल-अहमदाबाद नवजीवन एक्सप्रेस

14.13 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22938 रीवा-राजकोट सुपरफास्ट एक्सप्रेस

15.11 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20906 रीवा-एकता नगर महामना एक्सप्रेस

16.10 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22968 प्रयागराज-अहमदाबाद सुपरफास्ट एक्सप्रेस

17.11 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22663 तांबरम-जोधपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस

18.14 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22737 सिकंदराबाद-हिसार सुपरफास्ट एक्सप्रेस

19.11 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22137 नागपुर-अहमदाबाद प्रेरणा एक्सप्रेस

20.12 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20819 पुरी-ओखा सुपरफास्ट एक्सप्रेस

21.9 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20803 विशाखापत्तनम-गांधीधाम सुपरफास्ट एक्सप्रेस

22.16 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22723 हजूर साहिब नांदेड़-श्री गंगानगर सुपरफास्ट एक्सप्रेस

23.11 अक्टूबर, 2025को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22974 पुरी-गांधीधाम सुपरफास्ट एक्सप्रेस

24.10 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 16733 रामेश्वरम-ओखा एक्सप्रेस

25.12 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22690 यशवंतपुर-अहमदाबाद सुपरफास्ट एक्सप्रेस

उधना स्टेशन के बजाय सूरत स्टेशन से ओरिजिनेट होने वाली ट्रेनें

1.14 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22828 सूरत-पुरी सुपरफास्ट एक्सप्रेस

2.13 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09065 सूरत-छपरा क्लोन स्पेशल

3.10 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20925 सूरत-अमरावती सुपरफास्ट एक्सप्रेस

4.13 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 13426 सूरत-मालदा टाउन एक्सप्रेस

5.10 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09117 उधना-सूबेदारगंज स्पेशल

6.28 सितंबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 05018 उधना - मऊ फेस्टिवल स्पेशल

उधना स्टेशन के बजाय सूरत स्टेशन पर टरमिनेट होने वाली ट्रेनें

1.12 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22827 पुरी-सूरत सुपरफास्ट एक्सप्रेस

2.11 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 13425 मालदा टाउन-सूरत साप्ताहिक एक्सप्रेस

3.15 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09066 छपरा-सूरत क्लोन स्पेशल

4.10 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20926 अमरावती-सूरत सुपरफास्ट एक्सप्रेस

5.11 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09118 सूबेदारगंज-उधना स्पेशल

6.27 सितंबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 05017 मऊ-उधना फेस्टिवल स्पेशल

ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

कोल्ड्रिफ कफ सीरप से मासूमों की मौत के बाद हड़कंप तमिलनाडु की दवा कंपनी सील, निदेशक रंगनाथन फरार

नई दिल्ली। पूरे देश को झकझोर देने वाली जहरीले कफ सीरप की घटना के बाद तमिलनाडु सरकार ने कांचीपुरम जिले में स्थित उस दवा कंपनी श्रीसन फार्मास्यूटिकल को पूरी तरह सील कर दिया है, जिसके बनाए कोल्ड्रिफ कफ सीरप से मध्य प्रदेश और राजस्थान में बच्चों की दर्दनाक मौतें हुई हैं। सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक, इस सीरप में जानलेवा रसायन डायथिलीन ग्लायकाल (DEG) की मात्रा मानक से 486 गुना अधिक पाई गई — जहां 0.1 प्रतिशत से कम होनी चाहिए थी, वहां 48.6 प्रतिशत पाई गई।

तमिलनाडु खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन विभाग ने कंपनी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उत्पादन बंद करने के आदेश दिए हैं। वहीं, कंपनी का डायरेक्टर डॉ. जी. रंगनाथन फरार है, जिसकी तलाश में मध्य प्रदेश पुलिस की विशेष जांच टीम (SIT) कांचीपुरम पहुंच चुकी है।

मध्य प्रदेश और राजस्थान में बच्चों की मौतें

मध्य प्रदेश में अब तक 21 और राजस्थान में चार बच्चों की मौत हो चुकी है। मरने वाले अधिकतर बच्चे आठ वर्ष से कम उम्र के हैं। बुधवार को नागपुर में इलाज के दौरान छिंदवाड़ा के दो और बच्चों — छह वर्षीय दिव्यांशु यदुवंशी और तीन वर्षीय वेदांश काकोडिया — ने दम तोड़ दिया। छिंदवाड़ा, बैतूल और पांढुर्णा जिलों से ये सभी मामले सामने आए हैं।

SIT की कार्रवाई और कंपनी पर कसा शिकंजा

मध्य प्रदेश एसआईटी ने बुधवार को श्रीसन फार्मास्यूटिकल के कांचीपुरम स्थित कारखाने में छापा मारा और घंटों दस्तावेजों की जांच की। जांच में सामने आया कि कंपनी सिर्फ 2000 वर्गफीट क्षेत्र में काम कर रही थी और उसने औषधि मानकों के 39 गंभीर और 325 बड़े नियमों का उल्लंघन किया था। कंपनी का उत्पादन और सुरक्षा ढांचा बुरी तरह से अव्यवस्थित पाया गया।

तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री सुब्रमणियन ने बताया कि सरकार ने कंपनी को दूसरा नोटिस जारी किया है, जिसमें पूछा गया है कि उसके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई क्यों न की जाए। उन्होंने कहा कि सीरप में विषाक्त पदार्थ की मात्रा इतनी अधिक थी कि उसने बच्चों के शरीर के कई अंगों को तत्काल क्षतिग्रस्त कर दिया।

WHO ने भारत से मांगा जवाब

इस कांड ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चिंता पैदा कर दी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने भारत सरकार से इस सीरप के निर्यात को लेकर स्पष्टीकरण मांगा है — कि क्या कोल्ड्रिफ सीरप को अन्य देशों में भी भेजा गया था। इससे पहले कई अफ्रीकी देशों में भी भारतीय दवाओं से बच्चों की मौत के मामले सामने आ चुके हैं।

राज्यों में कोल्ड्रिफ पर प्रतिबंध

मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, पंजाब, अरुणाचल प्रदेश सहित कई राज्यों ने कोल्ड्रिफ कफ सीरप की बिक्री पर तत्काल प्रतिबंध लगा दिया है। केरल ने तो श्रीसन फार्मास्यूटिकल की सभी दवाओं पर रोक लगा दी है। अंडमान-निकोबार प्रशासन ने दो वर्ष से कम उम्र के बच्चों को किसी भी तरह का कफ सीरप न देने की एडवाइजरी जारी की है।

14 साल से चल रही थी कंपनी, अब कानून के शिकंजे में

श्रीसन फार्मास्यूटिकल बीते 14 वर्षों से कांचीपुरम जिले के सुंगुवर्चत्रम क्षेत्र में लाइसेंस प्राप्त दवा निर्माण कर रही थी। जांच में यह भी पाया गया कि कंपनी ने कई वर्षों से निरीक्षण और गुणवत्ता परीक्षण से बचने के लिए दस्तावेजों में हेरफेर किया। अब तमिलनाडु सरकार ने इस कंपनी के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

देश के दवा उद्योग पर यह एक बड़ा प्रश्नचिह्न है — जहां मुनाफे की लालच में कंपनियां बच्चों की ज़िंदगियों से खेल रही हैं। अब देशभर के माता-पिता और स्वास्थ्य अधिकारी यह उम्मीद कर रहे हैं कि दोषियों को सख्त से सख्त सजा मिले ताकि ऐसी त्रासदी दोबारा न हो।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर भारत दौरे पर, पीएम मोदी से करेंगे द्विपक्षीय चर्चा

नई दिल्ली। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर अपनी पहली भारत यात्रा पर बुधवार सुबह मुंबई पहुंचे। इस दो दिवसीय दौरे के दौरान स्टार्मर 125 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ आए, जिसमें रोल्स रायस, ब्रिटिश टेलीकॉम, डियाजियो, लंदन स्टॉक एक्सचेंज और ब्रिटिश एयरवेज जैसी प्रमुख कंपनियों के शीर्ष अधिकारी, उद्योगपति और विश्वविद्यालयों के कुलपति शामिल हैं।

पीएम मोदी से होगी मुलाकात

गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ स्टार्मर की मुलाकात होगी। दोनों नेता द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर विस्तृत चर्चा करेंगे। स्टार्मर ने कहा कि भारत के साथ जुलाई में हुए व्यापार समझौते से उत्पन्न अवसर बेजोड़ हैं और यह समझौता केवल कागज का टुकड़ा नहीं, बल्कि आर्थिक वृद्धि का लांचपैड है। भारत 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापार तेज और सस्ता होगा।

मुक्त व्यापार समझौता बढ़ाएगा आर्थिक गति

ब्रिटिश एयरवेज के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सीन डायल ने कहा कि भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौता दोनों देशों के बीच आर्थिक गति को बढ़ावा देगा। इस संबंध में मुंबई और मैनचेस्टर हवाई अड्डे से दिल्ली के लिए सीधी उड़ान शुरू की जाएगी। जुलाई में प्रधानमंत्री मोदी की लंदन यात्रा के दौरान इस ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। इससे शुल्क कम होंगे, बाजार में पहुंच बढ़ेगी और 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार दोगुना होने की उम्मीद है।

यशराज फिल्म्स और फिल्म उद्योग पर फोकस

मुंबई में स्टार्मर ने यशराज फिल्म्स (वाईआरएफ) स्टूडियो का दौरा किया। उनके साथ ब्रिटेन के फिल्म उद्योग का प्रतिनिधिमंडल भी था, जिसमें ब्रिटिश फिल्म संस्थान, ब्रिटिश फिल्म आयोग, पाइनवुड स्टूडियो, एल्स्ट्री स्टूडियो और सिविक स्टूडियो के प्रतिनिधि शामिल थे। उन्होंने भारतीय फिल्म निर्माताओं से मुलाकात की और घोषणा की कि अगले वर्ष से वाईआरएफ सहित प्रमुख भारतीय प्रोडक्शन हाउस ब्रिटेन में फिल्में बनाएंगे। इससे ब्रिटेन में तीन हजार से अधिक रोजगार सृजित होंगे और आर्थिक मजबूती आएगी।

फुटबाल और युवा खेल प्रतिभा को बढ़ावा

स्टार्मर ने दिग्गज फुटबाल खिलाड़ी माइकल ओवेन के साथ मुंबई के कूपरेज फुटबाल ग्राउंड का दौरा किया। प्रीमियर लीग कम्युनिटी शोकेस कार्यक्रम के दौरान उन्होंने युवा भारतीय फुटबाल खिलाड़ियों और कोचों से बातचीत की। यह कार्यक्रम इंग्लिश प्रीमियर लीग और ब्रिटिश काउंसिल के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य भारत में विभिन्न सामाजिक समूहों तक खेल की पहुंच बढ़ाना है।

देशभर में फुटपाथों का होगा सुरक्षा ऑडिट, सुप्रीम कोर्ट ने पैदल यात्रियों की सुरक्षा के लिए जारी किए सख्त निर्देश

नई दिल्ली। देश में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं और पैदल यात्रियों की मौतों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए ऐतिहासिक आदेश जारी किए हैं। शीर्ष अदालत ने देश के सभी बड़े शहरों में पैदल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए फुटपाथों और पैदल पार पथों का व्यापक सुरक्षा ऑडिट कराने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि अब सड़कों पर केवल वाहन नहीं, बल्कि पैदल चलने वालों की सुरक्षा भी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

न्यायमूर्ति जे.बी. पार्डीवाला और के.वी. विश्वनाथन की दो-न्यायाधीशों की पीठ ने सड़क सुरक्षा से जुड़ी जनहित याचिका पर 41 पन्नों का विस्तृत आदेश जारी किया है। अदालत ने कहा कि देश के 10 लाख से अधिक आबादी वाले 50 प्रमुख शहरों — जिनमें दिल्ली, मुंबई, वाराणसी, लखनऊ और कानपुर जैसे शहर शामिल हैं — में फुटपाथों का सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य रूप से किया जाए।

सुप्रीम कोर्ट की सख्ती : सड़क पर अब नहीं चलेगी मनमानी

कोर्ट ने न केवल पैदल यात्रियों के लिए सुविधाएं बढ़ाने के निर्देश दिए, बल्कि ट्रैफिक नियमों की धज्जियां उड़ाने वालों पर भी शिकंजा कसने को कहा है। बिना हेलमेट, हाई बीम, गलत लेन में गाड़ी चलाने, लाल-नीली झिलमिलाती बत्ती और हूटर का गलत इस्तेमाल करने वालों पर सख्त कार्रवाई का आदेश दिया गया है। अदालत ने कहा कि नियम तोड़ने वालों से वसूले गए जुर्माने और कार्रवाई की पूरी रिपोर्ट नियमित रूप से कोर्ट में पेश की जाएगी।

पैदल यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

कोर्ट ने सरकार को निर्देश दिया कि फुटपाथों और पैदल पथ पार (ज़ेब्रा क्रॉसिंग, सबवे, फुट ओवरब्रिज आदि) के निर्माण में इंडियन रोड्स कांग्रेस (IRC) की गाइडलाइन का पालन अनिवार्य किया जाए। यह ऑडिट उन भीड़भाड़ वाले इलाकों से शुरू किया जाएगा जहां सबसे ज्यादा दुर्घटनाएं होती हैं — जैसे बाजार, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, धार्मिक स्थल और शैक्षणिक संस्थान।

कोर्ट ने कहा कि हर शहर की रोड सेफ्टी कमेटी पिछले दो से तीन वर्षों के आंकड़ों के आधार पर ऐसे 15–20 स्थानों की पहचान करे जहां पैदल यात्रियों की सबसे अधिक मौतें हुई हैं। इन क्षेत्रों में फुटपाथों की मरम्मत, अतिक्रमण हटाने और सड़क इंजीनियरिंग में सुधार प्राथमिकता के साथ किए जाएं।

अतिक्रमण और निगरानी व्यवस्था पर भी अदालत की नजर

सुप्रीम कोर्ट ने फुटपाथों पर हो रहे स्थायी अतिक्रमण को "पैदल यात्रियों के खिलाफ हिंसा" की संज्ञा दी और कहा कि अब इन स्थायी कब्जों पर नजर रखने के लिए ऑटोमेटेड कैमरे लगाए जाएं। कोर्ट ने आदेश दिया कि फुटपाथों को हर समय पैदल यात्रियों के लिए खाली रखा जाए और शिकायतों के निवारण के लिए प्रभावी शिकायत तंत्र बनाया जाए, जिसकी निगरानी जिला रोड सेफ्टी कमेटियां करेंगी।

कोर्ट ने यह भी कहा कि कई जगह पैदल पार पुल (फुट ओवरब्रिज) या अंडरपास बने होने के बावजूद लोग उनका उपयोग नहीं करते। इसके पीछे खराब रखरखाव, असुरक्षा और अव्यवस्था जिम्मेदार हैं। इसलिए राज्यों को निर्देश दिया गया है कि इन सुविधाओं को सुरक्षित, साफ और रोशनीदार बनाया जाए ताकि जनता उनका उपयोग करे।

गलत लेन और अवैध बत्तियों पर पूरी तरह रोक

सुप्रीम कोर्ट ने सड़क पर अनुशासित ड्राइविंग सुनिश्चित करने के लिए परिवहन विभाग, ट्रैफिक पुलिस और स्थानीय निकायों को सख्त निर्देश दिए हैं। आदेश में कहा गया कि

- लेन ड्राइविंग का पालन न करने वालों पर रियल टाइम कैमरों से निगरानी रखी जाए।
- वाहनों में अत्यधिक तेज सफेद लाइट, नीली-लाल झिलमिलाती बत्ती और हूटर के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए।
- वाहनों के फिटनेस और प्रदूषण प्रमाणपत्र जारी करते समय इन नियमों के पालन की जांच की जाए।

भारत में सड़क दुर्घटनाओं की भयावह तस्वीर

भारत सरकार के हालिया आंकड़ों ने अदालत को झकझोर दिया। 2023 में अकेले 35,000 पैदल यात्रियों की मौत सड़क दुर्घटनाओं में हुई, जबकि 54,000 दोपहिया चालक हेलमेट न पहनने के कारण मारे गए। कोर्ट ने कहा कि अगर सड़कें जीवन ले रही हैं तो ये केवल हादसे नहीं, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम हैं।

सड़क सुरक्षा के लिए सुप्रीम कोर्ट के पांच अहम बिंदु

1.फुटपाथों और पैदल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

2.पैदल पार पथों (क्रॉसिंग, ओवरब्रिज, सबवे) को सुरक्षित और उपयोगी बनाया जाए।

3.हेलमेट पहनना सख्ती से अनिवार्य किया जाए।

4.गलत लेन में गाड़ी चलाने और असुरक्षित ओवरटेकिंग पर पूरी तरह रोक लगे।

5.सफेद तेज रोशनी, लाल-नीली बत्ती और हूटर के इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध हो।

सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला आने वाले समय में देश की सड़कों की तस्वीर बदल सकता है। यह केवल कानून का आदेश नहीं, बल्कि हर उस आम नागरिक के जीवन की रक्षा का संकल्प है जो रोज़ अपने गंतव्य तक पैदल पहुंचने के लिए सड़क पार करता है।

भारत में निवेशकों का रुझान बदल रहा: केवल 18% भरोसा वित्तीय टीवी चैनलों पर, डिजिटल प्लेटफॉर्म और SIP की बढ़ती लोकप्रियता

मुंबई। मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड (MOMF) द्वारा जारी पैसिव सर्वे 2025 के तीसरे संस्करण में खुलासा हुआ है कि भारत में केवल 18 प्रतिशत निवेशक वित्तीय जानकारी के लिए टेलीविजन चैनलों पर भरोसा करते हैं। अगस्त-सितंबर 2025 में किए गए इस सर्वे में 3000 निवेशक और 120 वितरक शामिल थे, जिनमें म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर, पंजीकृत निवेश सलाहकार (RIA) और धन प्रबंधक भी शामिल थे।

डिजिटल प्लेटफॉर्म और वेबसाइट्स का रुझान

सर्वेक्षण में यह दिखाया गया कि निवेशक अब सोशल मीडिया और टीवी से अधिक विश्वसनीय और विशिष्ट डिजिटल प्लेटफॉर्म की ओर आकर्षित हो रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार, 52 प्रतिशत निवेशक वित्तीय जानकारी के लिए ऑनलाइन वेबसाइटों और डिजिटल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करते हैं, जबकि 38 प्रतिशत समाचार पत्र और न्यूजलेटर पढ़ते हैं। लगभग 29 प्रतिशत निवेशक वित्तीय अपडेट के लिए सोशल मीडिया का सहारा लेते हैं। कुछ निवेशक दो से अधिक प्लेटफॉर्म का संयोजन करके भी जानकारी जुटाते हैं।

SIP बनाम एकमुश्त निवेश

व्यवस्थित निवेश योजनाएं (SIP) अब निवेशकों की पसंदीदा रणनीति बन गई हैं। सर्वे के अनुसार, निवेशक बाजार की भागीदारी बढ़ाने और रणनीतिक अवसरों का लाभ लेने के लिए SIP के साथ एकमुश्त निवेश को जोड़ रहे हैं। कुल निवेश में SIP और एकमुश्त निवेश की संयुक्त भागीदारी 57 प्रतिशत है, जबकि केवल SIP में 26 प्रतिशत और केवल एकमुश्त निवेश में 17 प्रतिशत निवेशक भाग लेते हैं।

स्मार्ट बीटा रणनीतियों में रुचि

निष्क्रिय निवेशकों में स्मार्ट बीटा रणनीतियों में भी रुचि बढ़ रही है। सर्वे में बताया गया कि 61 प्रतिशत निष्क्रिय फंड निवेशक अब ऐसे विभेदित कारक-आधारित फंडों की खोज कर रहे हैं, जो अधिक रणनीतिक लाभ प्रदान कर सकें।

सर्वे के परिणाम यह स्पष्ट करते हैं कि निवेशक अब तेजी से डिजिटल और ऑनलाइन माध्यमों की ओर रुख कर रहे हैं, जबकि पारंपरिक वित्तीय टीवी चैनलों पर भरोसा घट रहा है। SIP और स्मार्ट बीटा जैसी आधुनिक निवेश रणनीतियों में रुचि बढ़कर निवेशकों की वित्तीय समझ और अनुशासन को भी दर्शा रही है।

मणिपालसिग्ना ने राजस्थान में लॉन्च किया किफायती स्वास्थ्य बीमा समाधान 'मणिपालसिग्ना सर्वः'

जयपुर। भारत की अग्रणी स्वास्थ्य बीमा कंपनी मणिपालसिग्ना हेल्थ इंश्योरेंस ने राजस्थान में अपने व्यवसाय को और मजबूत करते हुए नया स्वास्थ्य बीमा उत्पाद 'मणिपालसिग्ना सर्वः' लॉन्च किया है। यह योजना किफायती और भरोसेमंद स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार की गई है। कंपनी ने पिछले तीन वर्षों में राज्य के हजारों परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की है और 54.31 करोड़ रुपये के क्लेम का निपटारा किया है। जनवरी से अगस्त 2025 के बीच राजस्थान में ही कंपनी ने 11 करोड़ रुपये के क्लेम का भुगतान किया।

गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में प्रयास

मणिपालसिग्ना का उद्देश्य हर व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। इसी दृष्टिकोण के तहत लॉन्च किए गए 'मणिपालसिग्ना सर्वः' उत्पाद को ग्राहकों से व्यापक सराहना मिली है। 2025 की पहली छमाही में राजस्थान में कंपनी के नए व्यवसाय का लगभग 61 प्रतिशत हिस्सा इसी उत्पाद से आया। इसे हाल ही में नील्सन IQ द्वारा किए गए उपभोक्ता सर्वेक्षण के आधार पर 'प्रॉडक्ट ऑफ द ईयर 2025 – हेल्थ इंश्योरेंस' का सम्मान भी दिया गया।

राजस्थान में स्वास्थ्य सुरक्षा की बढ़ती जरूरत

राजस्थान में जीवनशैली से संबंधित बीमारियों के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। राज्य के कुल स्वास्थ्य भार का लगभग 51 प्रतिशत नॉन-कम्युनिकेबल डिज़ीज़ (एनसीडी) से जुड़ा है। जयपुर और अन्य शहरी क्षेत्रों में निवारक स्वास्थ्य देखभाल और वेलनेस सेवाओं की मांग तेजी से बढ़ रही है। युवा वर्ग भी दीर्घकालिक स्वास्थ्य सुरक्षा के प्रति अधिक जागरूक हो रहा है।

मणिपालसिग्ना राजस्थान में चार हजार से अधिक सलाहकारों और पांच शाखाओं के माध्यम से कार्यरत है और अगले तीन वर्षों में अपने व्यवसाय को तीन गुना बढ़ाने की योजना बना रही है। कंपनी नवाचार और सुलभ बीमा योजनाओं के माध्यम से राज्य के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने के अपने मिशन को निरंतर जारी रख रही है।

फिल्म 'झुंड' के अभिनेता बाबू छेत्री की हत्या से सन्नाटा, दोस्त ने ही उतारा मौत के घाट

(जीएनएस)। नागपुर, बॉलीवुड फिल्म "झुंड" में अपने दमदार किरदार बाबू छेत्री से पहचान बनाने वाले अभिनेता प्रियांशु उर्फ़ रवि सिंह छेत्री की बुधवार तड़के हत्या कर दी गई। नागपुर पुलिस के अनुसार, यह वारदात उनके ही दोस्त ध्रुव लाल बहादुर साहू (20) ने शराब के नशे में झगड़े के दौरान की। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और हत्या की वजह आपसी कहासुनी बताई जा रही है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मंगलवार की देर रात दोनों मित्र साहू की मोटरसाइकिल से जरीपटका इलाके के एक सुनसान मकान में शराब पीने पहुंचे थे। दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया, जो देखते-देखते हिंसक झगड़े में बदल गया। गुस्से में ध्रुव साहू ने कथित तौर पर प्रियांशु पर बोतल और धारदार वस्तु से हमला कर दिया। बुधवार सुबह स्थानीय लोगों ने छेत्री को घायल हालत में देखा और पुलिस को सूचना दी। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। प्रियांशु छेत्री ने फिल्म "झुंड" में अमिताभ बच्चन के साथ काम किया था और अपने "बाबू" किरदार के जरिए दर्शकों के बीच लोकप्रिय हुए थे। फिल्म में उन्होंने एक झुग्गी बस्ती के युवक का रोल निभाया था, जो फुटबॉल के जरिये अपराध की दुनिया से निकलने की कोशिश करता है। उनकी मौत की खबर सुनकर फिल्म जगत में शोक की लहर दौड़ गई। झुंड के निर्देशक नागराज मंजुळे और फिल्म के कई कलाकारों ने सोशल मीडिया पर गहरा दुख जताते हुए उन्हें एक सच्चा, संघर्षशील कलाकार बताया।

नागपुर पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आरोपी ध्रुव साहू को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि दोनों के बीच पैसों और व्यक्तिगत बातों को लेकर झगड़ा हुआ था। घटना स्थल से शराब की बोतलें, टूटा हुआ ग्लास और खून से सने कपड़े बरामद किए गए हैं। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि प्रियांशु पिछले कुछ समय से नागपुर में ही रह रहे थे और नई वेब सीरीज़ के ऑडिशन की तैयारी कर रहे थे। उनका सपना था कि वह "झुंड" जैसी और भी सशक्त फिल्मों में अभिनय करें। लेकिन एक क्षणिक विवाद ने न केवल उनकी ज़िंदगी खत्म कर दी बल्कि एक उभरते कलाकार का सपना भी अधूरा छोड़ दिया। प्रियांशु के परिवार और मित्रों ने उनके शव को अंतिम संस्कार के लिए गुवाहाटी ले जाने की तैयारी शुरू कर दी है। उनके निधन ने फिल्म जगत और प्रशंसकों दोनों को झकझोर कर रख दिया है — जहां हर कोई यही कह रहा है कि "बाबू छेत्री" जैसा किरदार अब सिर्फ पर्दे पर रहेगा, ज़िंदगी में नहीं।

जेल से रिहाई के बाद आजम-अखिलेश की पहली बैठक, सपा में राजनीतिक हलचल तेज

रामपुर। समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव और वरिष्ठ नेता आजम खान की प्रतीक्षित मुलाकात आखिरकार आज रामपुर में हुई। जेल से 23 महीने बाद रिहा होने के बाद आजम खान के आवास पर हुई यह बैठक करीब डेढ़ घंटे चली और इसे यूपी की सियासत के लिए महत्वपूर्ण घटना माना जा रहा है। अखिलेश यादव ने कार से आकर हाथ जोड़कर सभी का अभिवादन किया, जबकि पीछे से आजम खान के आने के बाद दोनों नेताओं की पहली तस्वीर सामने आई, जिसने मीडिया और जनता का ध्यान आकर्षित किया।

सूत्रों के अनुसार, लगभग 1 घंटा 40 मिनट तक चली यह बातचीत आजम खान की कथित नाराज़गी को दूर करने और उनके भविष्य के राजनीतिक संबंधों को स्पष्ट करने के उद्देश्य से आयोजित की गई। मुलाकात के बाद अखिलेश यादव ने मीडिया से कहा कि आजम खान और उनके परिवार पर दर्ज मामलों के माध्यम से योगी सरकार ने राजनीतिक परिवार पर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि आजम खान समाजवादी पार्टी की जड़ हैं और उनका योगदान पार्टी के लिए अनमोल है।

आजम खान ने मुलाकात के बाद कहा कि उनका सपा से रिश्ता वैसा है जैसे मियां-बीवी का होता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि

उनकी दो पीढ़ियों की भागीदारी इस पार्टी से जुड़ी हुई है, और अब उनकी जिम्मेदारी उनके बच्चों के माध्यम से भी पार्टी के प्रति बनी रहेगी।

इस मुलाकात पर ओमप्रकाश राजभर ने टिप्पणी की कि अखिलेश यादव अब चुनाव के मद्देनजर आजम खान से मिलने को मजबूर हुए हैं। उनका डर है कि कहीं आजम खान और शिवपाल सिंह यादव मिलकर नई पार्टी न बना लें। सपा में आजम खान और शिवपाल की अच्छी पकड़ को देखते हुए अखिलेश ने उन्हें संतुष्ट करने के लिए यह मुलाकात की है। डीबीडी की टिप्पणी के अनुसार, यह मुलाकात स्पष्ट रूप से एक रणनीतिक और नियंत्रित बैठक थी। अखिलेश यादव केवल आजम खान से ही मिलने आए और किसी अन्य सपा नेता या आजम के परिवार के सदस्य को इस मुलाकात में शामिल नहीं होने दिया गया। रामपुर सांसद मोहिबुल्लाह नदवी को भी शहर में आने से रोका गया। आजम खान ने मीडिया के सामने साफ कहा कि वह केवल अखिलेश से ही मिलेंगे। इस नियंत्रण और शर्तों ने बैठक के राजनीतिक महत्व को और बढ़ा दिया।

जेल से रिहाई के बाद यह मुलाकात सपा में कलह का अंत है या नई शुरुआत, यह अभी स्पष्ट नहीं है। लेकिन राजनीतिक विश्लेषक इसे पार्टी के अंदर संतुलन और भविष्य की रणनीति तय करने के लिए निर्णायक घटना मान रहे हैं।

दो करोड़ की लूट में यूपी पुलिसकर्मियों की संलिप्तता, मास्टरमाइंड का एनकाउंटर

फिरोजाबाद। मक्खनपुर थाना क्षेत्र के गांव घुनपई के पास 30 सितंबर को हुई वैन से दो करोड़ रुपये की लूट के मामले में यूपी पुलिस की बड़ी कार्रवाई सामने आई है। जांच में इस वारदात में दो पुलिसकर्मियों की संलिप्तता उजागर हुई है। अपर पुलिस अधीक्षक देहात अनुज चौधरी ने बताया कि दोनों पुलिसकर्मी पहले से ही लूट की योजना से अवगत थे और बदमाशों को पुलिस कार्रवाई की सूचना देने के लिए डीलिंग कर चुके थे। इसके अलावा, उन्होंने दिल्ली जाकर बदमाशों से पैसे भी लिए थे।

इस मामले में मंगलवार को मुख्य आरक्षी अंकुर प्रताप सिंह को रूपसपुर गांव के समीप एक ढाबे से गिरफ्तार किया गया था, जबकि बुधवार को आरक्षी मनोज को बिल्टीगढ़ अंडरपास से दबोचा गया। दोनों के पास से 5-5 लाख रुपये बरामद हुए।

पुलिस ने अब तक कुल आठ बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनमें नरेश उर्फ भूरी, तुषार, दुष्यंत, अक्षय, आशीष उर्फ आशू और मोनू उर्फ मिलाप शामिल हैं। मास्टरमाइंड नरेश फरार हो गया था, जिसे 5 अक्टूबर को पुलिस ने एनकाउंटर में मार गिराया। उस पर 50 हजार रुपये का इनाम था। एनकाउंटर के दौरान एएसपी अनुज चौधरी की बुलेटप्रूफ जैकेट में गोली लगी, जिससे वह बाल-बाल बचे, जबकि एक एसएचओ भी घायल हुए।

इस पूरी घटना ने यूपी पुलिस में आंतरिक निगरानी की आवश्यकता और लूट जैसी वारदातों में सुरक्षा कर्मियों की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। जांच के बाद अब अन्य दोषियों के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बिहार विधानसभा चुनाव: कांग्रेस ने 25 प्रत्याशियों के नामों पर लगाई मुहर

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस ने अपने 25 प्रत्याशियों के नामों को मंजूरी दे दी है। यह निर्णय दिल्ली में आयोजित कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक में लिया गया। बैठक में बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि उम्मीदवारों के चयन पर गहन चर्चा हुई और सभी सदस्यों ने खुलकर अपनी राय रखी।

सीईसी की बैठक की अध्यक्षता केसी वेणुगोपाल और अजय माकन ने की, जबकि सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरु और प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम सहित अन्य सदस्य भी बैठक में मौजूद रहे। राजेश राम ने बताया कि ज्यादातर पूर्व विधायक को फिर से टिकट दिया जाएगा। हालांकि, दो सीटों पर पुनर्विचार किया गया। सूत्रों के अनुसार, चेनारी से मुरारी गौतम और बिक्रम से सिद्धार्थ सिंह इन दो सीटों पर शामिल हैं। मुरारी गौतम ने हाल ही में कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है, जबकि सिद्धार्थ सिंह लंबे समय से एनडीए खेमे से जुड़े हुए दिखाई दे रहे थे। अन्य सीटों पर मौजूदा विधायकों को पुनः उम्मीदवार बनाया जाना लगभग तय है।

राजेश राम ने यह भी कहा कि महागठबंधन के सीट शेयरिंग की घोषणा होने तक प्रत्याशियों के नामों की सार्वजनिक घोषणा नहीं की जाएगी। गठबंधन के घटक दलों का कहना है कि अगले 48 घंटे में सीट बंटवारे की तस्वीर साफ हो जाएगी और तब अंतिम उम्मीदवारों की घोषणा होगी।

इस फैसले के साथ ही कांग्रेस ने बिहार चुनाव की तैयारी को गति दी है और अपने उम्मीदवारों के चयन को लेकर स्पष्टता प्रदान की है, ताकि महागठबंधन में सीट बंटवारे और चुनाव रणनीति पर शीघ्र निर्णय लिया जा सके।